रांची, बुधवार, 30 जुलाई 2025

संवत 2082, श्रावण शुक्ल 6 संवत मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 326 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ सावन का महीना,शिव मंदिर और दो देशों के बीच तांडव

डीडीएलजे में शाहरुख और अनुपम खैर ने मिलकर गढ़ा था एक डायलॉग ◀◀ 6

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 9, 10, 11 अगस्त 2025

जहां बोलना ही संगीत और चलना है नृत्य

आदिवासी परिधान प्रदर्शन (फैशन शो)

पहनेंगे धरती, ओढ़ेंगे आसमान

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 358531 (IPRD) 25-26

रांची में किडनैप छात्रा रामगढ़ से बरामद

संवाददाता

रांची: रांची से अपहृत स्कूली छात्रा को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। लड़की को रामगढ़ जिले के कुजू थाना क्षेत्र से बरामद किया गया। पुलिस के डर से अपराधी लड़की को सड़क पर फेंक कर भाग गए। पुलिस अपराधियों का पीछा कर रही है। रांची के एसएसपी सह डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा ने लड़की की बरामदगी की पुष्टि की है।

लड़की की बरामदगी में मांडू थाना प्रभारी सदानंद की बहादुरी देखने को मिली। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि रांची पुलिस से लड़की के अपहरण की सूचना मिली थी। जिसके बाद पूरी रामगढ़ पुलिस सड़क पर निगरानी कर रही थी। इसी बीच मांडू और कुजू के बीच एक कार 150 किलोमीटर की रफ्तार से भागती हुई दिखाई दी। मांडू थाना प्रभारी सदानंद ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया।

पुलिस को पीछा करते देख अपराधी कार को और भी तेज भगाने लगे। इसी बीच कार भागते हुए एक भीड़भाड़ वाले इलाके में पहुंच गई। इस दौरान पुलिस ने अपनी कार से अपराधियों पर टक्कर भी मारी। लेकिन अपराधी नहीं रुके। इसके बाद थाना प्रभारी सदानंद ने अपनी पिस्तौल निकाली और अपराधियों पर निशाना साधा।

इसी दौरान उन्होंने कार की पिछली सीट पर छात्रा को देखा, जिसे अपराधियों ने बंधक बना रखा था। जिसके बाद थाना प्रभारी ने छात्रा को गोली लगने के डर से गोली नहीं चलाई। हालांकि, उनकी पिस्तौल और बाकी पुलिस के डर से अपराधियों ने छात्रा को चलती कार से कुजू में बैंक के पास सड़क पर फेंक दिया। एसपी ने बताया कि छात्रा बिल्कुल सुरक्षित है। पुलिस अपराधियों का पीछा कर रही है। हजारीबाग पुलिस भी इसमें सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि अपराधी मास्क पहने हुए थे। उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। ज्ञात हो कि रांची में बुधवार की सुबह एक छात्रा को स्कूल जाते समय सिरमटोली फ्लाईओवर के पास से अगवा कर लिया गया था। जैसे ही मामला रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के संज्ञान में आया, उन्होंने तुरंत 10 जिलों में अलर्ट मैसेज भेजा। जिसके बाद 90 से अधिक स्थानों पर चेकिंग अभियान शुरू किया गया। नतीजतन अपराधी बच्ची को रामगढ़ जिले के कुज्जू में छोड़कर फरार हो गए।

इस तरह रांची पुलिस की तत्परता से समय रहते बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया गया। फिलहाल छात्रा सुरक्षित है। दूसरी तरफ पुलिस इस घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग ठिकाने पर छापेमारी शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। कई संदिग्ध वाहनों की पहचान की जा रही है।

ई-रिक्शा से स्कूल जा रही थी छात्रा : जानकारी के अनुसार, छात्रा हर दिन की तरह बुधवार सुबह ई-रिक्शा से बिशप वेस्टकॉट स्कूल जा रही थी। जैसे ही वह सिरमटोली फ्लाईओवर के पास पहुंची, तभी एक कार में सवार अज्ञात अपराधियों ने उसे जबरन खींचकर अगवा कर लिया।

फौरन हरकत में आई पुलिस, शहर भर में की नाकेबंदी : घटना की सूचना मिलते ही चुटिया थाना पुलिस और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। साथ ही 10 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को अलर्ट मैसेज भेजा, जिसके बाद प्रमुख हाइवे, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और टोल प्लाजा समेत 90 से अधिक स्थानों पर चेकिंग की गई। पुलिस के ताबड़तोड़ एक्शन से अपराधी घबरा गए और बच्ची को रामगढ़ के कुज्जू में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को सकुशल अपने कब्जे में लिया।

अपराधियों ने युवक को मारी दिनदहाड़े गोली, इलाके में बवाल

संवाददाता

गढ़वा : गढ़वा में खौफनाक घटना सामने आई है। यहां के कांडी थानांतर्गत मंडरा गांव में स्थानीय युवक 35 वर्षीय सुनील पासवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना बुधवार सुबह सात बजे की है। सूचना पर पहुंची पुलिस को परिजनों और ग्रामीणों ने शव उठाने से रोक दिया है। उक्त लोग अपराधी की गिरफ्तारी और डीसी-एसपी को घटनास्थल पर बुलाने की मांग पर अड़े थे। इसघटना के छह घंटे बाद भी गतिरोध जारी था।

बताया जाता है कि घटना का कारण जमीन विवाद में आपसी रंजिश है। घटना के वक्त युवक घर से बाहर आधार किलोमीटर दूर खेत की ओर मवेशी चराने गया था। उसी तीन युवक वहां पहुंचे। युवकों को देखकर वह भागने लगा। उसी क्रम में उसे घेरकर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर हत्या कर दी। गोली मारने के बाद युवक के हाथ से डंडे को लेकर उससे भी मारा गया। उसके बाद युवक बाइक से घटनास्थल से भाग गये। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। जबतक ग्रामीण और परिजन वहां पहुंचते तबतक उसकी मौत हो गई थी।

उधर घटना की सूचना स्थानीय पुलिस के अलावा डीएसपी नीरज कुमार, विधायक नरेश प्रसाद सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी भी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ बात

> **बताया जाता है कि घटना का कारण जमीन विवाद में आपसी रंजिश है। घटना के वक्त युवक घर से बाहर आधार किलोमीटर दूर खेत की ओर मवेशी चराने गया था। उसी तीन युवक वहां पहुंचे। युवकों को देखकर वह भागने लगा। उसी क्रम में उसे घेरकर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर हत्या कर दी। गोली मारने के बाद युवक के हाथ से डंडे को लेकर उससे भी मारा गया।**

कर लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े थे। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए मझिआंव, बरडीहा के अलावा हरिहरपुर ओपी पुलिस मौके पर पहुंच गई है। इलाका छावनी में तब्दील हो गया है। मृतक का बड़ा भाई भोला पासवान ने पुलिस को बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति के साथ जमीन विवाद चल रहा है। मंगलवार को मामले में स्थानीय थाना को भी जानकारी दी गई थी। उसे मारने की धमकी दी गई थी। अपराधियों ने अगले ही दिन बुधवार को गोली मारकर भाई की हत्या कर दी।

ऑपरेशन शिवशक्ति : पुंछ में सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया, तीन हथियार बरामद

पुंछ : भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर एक सफल आतंकवाद-रोधी अभियान चलाया। इस अभियान को 'ऑपरेशन शिवशक्ति' नाम दिया गया है। इस ऑपरेशन में सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया है, जो सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। इस ऑपरेशन में तीन हथियार भी बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की सटीक और समन्वित खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है। एक्स पोस्ट में लिखा है, ₹हमारी सतर्क सेना ने सटीक टारगेट के साथ त्वरित

कार्रवाई से आतंकियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।₹ यह अभियान बुधवार सुबह शुरू हुआ और अभी भी जारी है। सेना ने बताया कि यह ऑपरेशन उनकी अपनी खुफिया इकाइयों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के समन्वय से संचालित किया गया, जिसके कारण यह सफल रहा। इससे पहले, सोमवार को जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों ने एक बड़े ऑपरेशन में 3 आतंकवादियों को मार गिराया था। इन आतंकियों में एक लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर सुलेमान भी शामिल था। इसके अलावा, दो अन्य आतंकी, अफगान और जिब्रान भी लश्कर के 'ए' ग्रेड के आतंकवादी थे। आतंकी सुलेमान पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में लिप्त था। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन महादेव' के तहत इन तीन आतंकियों को ढेर किया। लोकसभा में मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जानकारी दी कि इन तीनों आतंकवादियों ने ही पहलगाम की घटना को अंजाम दिया था। अमित शाह ने सदन में आतंकियों की पहचान से जुड़े तथ्य बताए थे। इसके अलावा, पहलगाम हमले में इन आतंकियों के शामिल होने की पुष्टि एफएसएल चंडीगढ़ में घटनास्थल से बरामद हुए कारतूसों के मिलान के बाद हुई।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान जयशंकर ने कहा

'सिंधु जल संधि को स्थगित करना सबसे अहम निर्णय'

नई दिल्ली : संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा में पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विस्तार से चर्चा के दूसरे दिन विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने राज्यसभा को संबोधित किया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद के घटनाक्रम, सरकार की ओर से उठाए गए कदम और देश की विदेश नीति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विपक्ष के आरोपों पर भी पलटवार किया। विदेश मंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की तरफ से कई कदम उठाए गए। इसके तहत कई राजनयिकों को वापस भेजा गया और पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया। सबसे अहम जो कदम उठाया गया, वो था- सिंधु जल समझौते को स्थगित करना। 'वे बस कुछ बातों को याद रखना पसंद करते हैं' : विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, 'सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है। मैं दुनिया में ऐसे किसी भी समझौते के बारे में नहीं सुना या सोच सकता हूं, जहां किसी देश ने अपनी प्रमुख नदियों को उस नदी पर अधिकार के बिना दूसरे देश में बहने दिया हो। इसलिए यह एक असाधारण समझौता था और जब हमने इसे स्थगित कर दिया है, तो इस घटना के इतिहास को याद करना जरूरी है।

8.8 तीव्रता के भूकंप के बाद रूस-जापान के कई हिस्सों में सुनामी

हवाई, चिली और सोलोमन द्वीप में अलर्ट

मॉस्को : मंगलवार रात करीब 11:24 बजे (जीएमटी) रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र कामचटका में 8.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई।

भारतीय दूतावास ने कैलिफोर्निया और अमेरिका के अन्य पश्चिमी तटीय राज्यों में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। भूकंप के बाद प्रशांत महासागर के कई हिस्सों में सुनामी का खतरा मंडरा रहा है, जिसकी वजह से आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र रूस के सुदूर पूर्वी इलाके के एक बड़े शहर पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 125 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में अवाचा खाड़ी के पास था।

इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रशांत महासागर में आए भीषण भूकंप के कारण, हवाई में रहने वालों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। अलास्का और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रशांत तट पर सुनामी निगरानी जारी है। जापान भी खतरे में है। उन्होंने आगे कहा, नई जानकारी के लिए कृपया सुनामीडॉटजीओवी पर जाएं। मजबूत रहें और सुरक्षित रहें।

यूएसजीएस ने पहले इस भूकंप की तीव्रता 8.0 बताई थी, लेकिन बाद में नए आंकड़ों के आधार पर इसे 8.7 कर दिया गया। भूकंप 19.3 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिसके कारण सतह पर तीव्र झटके महसूस किए गए और सुनामी का खतरा बढ़ गया। यूएसजीएस ने चेतावनी दी कि भूकंप के तीन घंटे के भीतर रूस और जापान के तटीय क्षेत्रों में विनाशकारी सुनामी लहरें पहुंच सकती हैं। इस भूकंप के बाद प्रशांत महासागर के कई हिस्सों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने और स्थानीय आपातकालीन निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। रूस और पड़ोसी देशों में आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं, और बाद में आने वाले झटकों की आशंका जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर भूकंप की तीव्रता को दर्शाने वाले कई वीडियो सामने आए हैं। इनमें कुछ वीडियो में फर्नीचर के जोर-जोर से हिलने और इमारतों में दरारें पड़ने की तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। कामचटका क्षेत्र में इमारतों और बुनियादी ढांचे को नुकसान होने की खबरें हैं, हालांकि नुकसान का पूरा आकलन अभी बाकी है। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है, और कई लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश में घर छोड़कर निकल गए हैं।

कामचटका का यह क्षेत्र भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है, क्योंकि यह प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधियां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट का कारण बनती हैं।

फिलहाल, स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल विश्वसनीय स्त्रोतों से जानकारी लें।

न्यूज IN ब्रीफ

सिल्ली में हाथियों का आतंक

मुरी : सिल्ली प्रखण्ड में हाथी का बड़ा झुण्ड कुछ दिनों से लगातार आतंक मचा रहे हैं। तुनकू गांव में हाथी का झुण्ड आ धमका और जयदेव महतो का घर ध्वस्त कर दिया।घर में रखे अनाज खा गए। हाथियों की संख्या ज्यादा होने के कारण ग्रामीण हाथियों को भगाने में असमर्थ रहे। देवेन्द्र नाथ महतो को यह सुचना मिलते ही विभाग को अवगत कर पीड़ित परिवार को छतिपूर्ति का आश्वासन दिया।

सी वाई स्क्रीन टेस्ट का शुभारंभ सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर

मुरी : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद सिल्ली में सी वाई टीबी स्क्रीन टेस्ट का शुभारंभ किया गए, जिसमें टीबी रोगी के कॉन्टैक्ट्स को स्क्रीन टेस्ट कर टी पी टी की दवा दिया जाएगा।जिससे सिल्ली टी यू को टी बी फ्री करने में बहुत सहायक होगी।कार्यक्रम प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रियंका कुमारी की देख रेख में हुई, इस मौके पर डॉ विवेक कुमार, शशि भूषण चौबे, मारुति नंदन चक्रवर्ती, संजीव कुमार, रणजीत कुमार, अनीता टोप्पो, दीपक कुमार,संजय कुमार महतो,बबीता कुमारी,हिल्दा लकड़ा,सविता लकड़ा एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

जयमंगला बस की चपेट में आने से छात्रा घायल, रेफर

चतरा : हंटरगंज थाना क्षेत्र के चतरा - डोभी मुख्य पथ पर सोमवार की लगभग 5 बजे जयमंगला बस की चपेट में आने से एक स्कूली छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना एनएच 22 मुख्य पथ पर घटी। घायल छात्रा की पहचान भोंदल के उमेश साहू की 14 वर्षीय पुत्री कंचन कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक छात्रा ट्यूशन पढ़कर अपने घर लौट रही थी। तभी अचानक जय मंगल बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। घटना घटित होने के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत छात्रा को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज लाया। छात्रा को सिर में गंभीर चोट होने के कारण डॉक्टरों ने समुचित उपचार के लिए गया मगध मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

01 एवं 02 अगस्त को आयोजित होने वाले कृषि उद्यम मेला की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने किया निरीक्षण

चतरा : स्थानीय जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम चतरा में आगामी 01 एवं 02 अगस्त 2025 को आयोजित होने वाले कृषि उद्यम मेला 2025 की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। मेला के सफल संचालन एवं मुख्य कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं को लेकर बुधवार को उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने स्थल पर पहुँचकर टेंट, स्टॉल, ब्रांडिंग, बैठने की व्यवस्था समेत अन्य तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कार्यों को तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह मेला कृषि, उद्यमिता एवं नवाचार के क्षेत्र में जिले के किसानों, उद्यमियों एवं युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि दो दिवसीय इस मेले में कृषि तकनीक, उपकरण, योजनाओं एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न स्टॉल, प्रदर्शनी व कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।

सदर अस्पताल चतरा में फाइलेरिया का डीए प्रशिक्षण शुरू

चतरा : फाइलेरिया कार्यक्रम का डीए प्रशिक्षण सदर अस्पताल चतरा के प्रशिक्षण भवन में दिया गया। प्रशिक्षण मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सदर चतरा के लगभग 50 सेविका एवं सहीया ने भाग लिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर गुलाम सर्वर के द्वारा यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुलाम सरवर ने बताया कि 10 अगस्त से लेकर 25 अगस्त तक यह कार्यक्रम

जनता दरबार में उपायुक्त ने आमजनों की समस्याएं सुनी

समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न अंचलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए।जनता दरबार में आये आवेदनों की श्रेणी अत्यंत व्यापक रही, जो दर्शाती है कि जिला प्रशासन की यह पहल जनता के बीच भरोसे का प्रतीक बनती जा रही है। उपायुक्त ने प्रत्येक फरियादी से व्यक्तिगत रूप से बात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जनता

दरबार में प्राप्त प्रमुख शिकायतें व मांगें निम्नलिखित विषयों से संबंधित रहीं यथा भूमि विवाद झ जमीनी अतिक्रमण, सीमांकन, दाखिल-खारिज, वाद-विवाद आदि से संबंधित समस्याएं।, राशन कार्ड एवं खाद्यान्न वितरण झ अपात्रता, नाम छूटने, नियमित वितरण में अनियमितता आदि। मंईया समान योजना झ पात्र लाभार्थियों के चयन में देरी, दस्तावेजी जटिलताओं आदि की शिकायतें। वृद्धा पेंशन झ आवेदन लंबित, बैंक खाता न जुड़ने, पेंशन भुगतान में विलंब जैसी समस्याएं। दिव्यांगजन के लिए ट्राईसाइकिल झ पात्रता के बावजूद अबतक सहायक यंत्र नहीं मिलना। आवास योजना झ प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं में सूची से नाम वंचित रहने की शिकायतें। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, शिक्षा विभाग से संबंधित, समाज कल्याण विभाग से संबंधित समेत अन्य मामले शामिल है।जनता दरबार में जिला क्रीड़ा पदाधिकारी सह जन शिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी तुषार राय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे जिन्होंने प्राप्त समस्याओं को त्वरित गति से संज्ञान में लिया और समाधान की दिशा में पहल की।उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक समस्या का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निवारण करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता दरबार शासन और आम जनता के बीच एक जीवंत संवाद सेतु है, जिससे लोगों को प्रशासन पर भरोसा और पहुँच दोनों सुनिश्चित होती है।उल्लेखनीय है कि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त चतरा द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जिसमें आमजन अपनी व्यक्तिगत या सामुदायिक समस्याओं को सीधे प्रशासनिक स्तर पर प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला प्रशासन चतरा आमजनों से अपील करता है कि वे अपने क्षेत्र से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु निर्धारित दिनों में जनता दरबार में भाग लें।

बोकारो व रामगढ़ में सड़क निर्माण को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले डॉ लंबोदर महतो

बंगाल और झारखंड को जोड़ने के लिए भी सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति की मांग

संवाददाता

रांची: पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने केंद्रीय केंद्रीय परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने केन्द्रीय मंत्री से सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (सीआरआईएफ) के तहत बोकारो एवं रामगढ़ जिले की सड़क निर्माण की योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति देने और पश्चिम बंगाल एवं झारखंड को जोड़ने हेतु अन्तर्राज्यीय सड़क निर्माण कराने की मांग की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को इस बात से अवगत कराया कि सीआरआईएफ के तहत बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत गझंडी मोड़ से हुरलुंग भाया चतरोचट्टी 27 किलोमीटर पथ निर्माण, ललपनिया रजरप्पा मोड़ से रजरप्पा रोड तक 20 किलोमीटर पथ निर्माण एवं रामगढ़ जिले के फोरलेन रोड एनएच 33 पर सांडी मोड़ से बिजुलिया (ओल्ड एन एच 33)12.8 किलोमीटर पथ निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति देने के लिए झारखंड सरकार द्वारा

प्रस्ताव भारत सरकार के परिवहन एवं उच्च पथ मंत्रालय को 27 दिसंबर 23 को दिया जा चुका है, मगर अब तक प्रशासनिक स्वीकृति नहीं हो पाई है। इस संदर्भ में शीघ्र समुचित कार्रवाई किए जाने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री का ध्यान पश्चिम बंगाल के पुरूलिया जिले के एनएच 18 पर अंतर्गत झालदा चौक से झारखंड के बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के एनएच 23 अंतर्गत बहादुरपुर चौक तक अन्तर्राज्यीय पथ भाया महतोमारा- बकद- सेवाती घाटी- खैराचातर एवं कसमार सड़क के निर्माण की ओर कराया और उनसे कहा कि इससे दोनों राज्यों के लाखों लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। उन्होंने इस क्रम में केन्द्रीय मंत्री को इस बात से भी अवगत कराया कि मौजूदा समय में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा झालदा बकद- सेवाती घाटी बंगाल सीमा तक पीएमजीएससी योजना अंतर्गत और सेवाती घाटी झारखंड सीमाना से बहादुरपुर एनएच 23 तक पथ निर्माण विभाग, झारखंड द्वारा सड़क का निर्माण किया जा चुका है। इस पथ के निर्माण, सुदृढीकरण एवं चौड़ीकरण होने से दोनों राज्यों के बीच एनएच 23 से एनएच 18 तक जुड़ जाने से लाखों लोगों को आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी और अन्तर्राज्यीय संबंध स्थापित होंगे।इस को लेकर भी शीघ्र समुचित कार्रवाई करते हुए प्रशासनिक स्वीकृति देने की जरूरत है। मिलने आए केंद्रीय मंत्री ने पूर्व विधायक की सभी बातों को ध्यान पूर्वक सुनने एवं पत्र को देखने के बाद इस विषय पर शीघ्र समुचित कार्रवाई करने को लेकर आश्वस्त किया।

मंईयां सम्मान योजना के 1.80 लाख लाभुकों के खाते में जून महीने की राशि एक-दो दिन में जाएगी

संवाददाता

चतरा : मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को राशि आने का इंतजार की घड़ी खत्म होने वाली है। जिले के इन लाभुकों के लिए खुशखबरी है।

इस योजना के लाभुकों को जून महीने का राशि जुलाई माह के अंत तक सीधे उनके बैंक खाता में 2500 रुपए हस्तांतरित होने की प्रबल संभावना है। यह राशि एक साथ जिले के एक लाख 80 हजार लाभुकों के खाता में भेजा जाएगा। इसके लिए जिला सामाजिक सुरक्षा विभाग पूरी तैयारी कर ली है।

वृद्धा पेंशन समेत अन्य लाभुकों के तीन माह की राशि मिलेगी : जिले के वृद्धा पेंशन सहित अन्य लाभुकों को भी तीन माह की राशि मिलेगी। इन्हें अप्रैल से लेकर जून माह की राशि एक साथ तीन महीने की राशि उनके खाता में जुलाई माह के अंत तक भेजा जाएगा। जिले में वृद्धा पेंशन पेंशन लाभुकों की संख्या 29 हजार 977 है। जबकि विधवा पेंशन पेंशन लाभुकों की संख्या 10 हजार 736 एवं निः शक्त लाभुकों की संख्या 1479 है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों की संख्या एक लाख 95 हजार 27 था। इन लाभुकों के घर-घर सत्यापन किया गया है। इसमें 15 हजार 27 लाभुक अयोग्य पाए गए।

जुलाई के अंत तक भेज दी जाएगी राशि : सुकमनी लिंडा जिला सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी सुकमनी लिंडा ने बताया कि मंईयां सम्मान योजना, वृद्धा पेंशन समेत अन्य लाभुकों के खाते में राशि जुलाई माह के अंत तक भेज दिया जाएगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई।

सूची में नाम रहने के बाद भी महिला को नहीं मिला अबुआ आवास

गिद्धौर(चतरा) : प्रखंड के बारियातु पंचायत अंतर्गत मसूरिया गांव की गुड़िया देवी पति कैलाश यादव एक अदद अबुआ आवास के लिए तरस रही है।जबकी महिला का मात्र एक कमरे का खपरैल मकान है।वो भी काफी जर्जर है।पीड़ित महिला ने बताया कि मेरा मकान का स्थिति काफी जर्जर हालत में है। जिससे बरसात के दिनों में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।महिला ने यह भी कहा के अबुआ आवास का सूची में मेरा नाम दर्ज है जिसके बावजूद भी आज तक मुझे आवास नहीं दिया गया है।वहीं सुखी सम्पन्न लोगों को और पूर्व से बने पक्के मकान वालों के साथ साथ चार पहिया वाहनों वाले को अबुआ आवास का लाभ दिया गया है।जबकि महिला काफी निर्धन है।यह मेहनत मजदूरी कर अपना गुजर बसर करती है।महिला ने बताया कि स्वयं सेवक,पंचायत सेवक ने कई बार उनके जर्जर आवास का जिओ टैग किया है।लेकिन अब तक मुझे आवास नहीं दिया गया है।मेरा जर्जर मकान बरसात में कभी भी धवस्त हो सकता है।उसने कहा कि मुझे डर है कि रात्रि के समय मेरा मकान अचानक धवस्त होगा तो हम लोग पूरे परिवार दबके मर सकते हैं।कारण मकान का सिर्फ एक कमरे में हम सभी परिवार रहने को विवश हैं। महिला ने प्रखंड व जिला प्रशासन से आवास मुहैया कराने की गुहार लगाई है।

जनसुनवाई में एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

चतरा : छोटी छोटी समस्याओं के निष्पादन हेतु चतरा पुलिस कप्तान सुमित अग्रवाल की ओर से प्रत्येक थाना में थाना दिवस चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में सोमवार को हंटरगंज थाना में थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने की।एसपी ने फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए पुलिस पदाधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों को गंभीरता से लें और उनका समयबद्ध निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि शिकायतकताओं को इधर-उधर भटकना न पड़े और उन्हें न्याय मिले। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारी और कर्मचारी बख्शे नहीं जाएंगे।एसपी ने कहा कि लोगों की समस्याओं का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।थाना दिवस में दर्जनों शिकायती पत्र प्राप्त हुए। सबसे अधिक मामले राजस्व विभाग से जुड़ी हुई है। इनमें से कई शिकायतों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। कुछ शिकायतों के जल्द निष्पादन का आश्वासन एसपी द्वारा दिया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग से संबंधित सबसे अधिक मामले और पुलिस विभाग से संबंधित कुछ ही शिकायत थी।इस अवसर पर चतरा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन, अंचलाधिकारी अरुण मुंडा, पुलिस इंस्पेक्टर पप्पू शर्मा, थाना प्रभारी प्रभात कुमार, एसआई राजदेव पांडे, नितेश कुमार, वीर बहादुर सिंह,शिवशंकर गोप, पुरषोत्तम अग्निहोत्री, कृष्णा कुजूर, नावाडीह पंचायत मुखिया बसंती पन्ना,खुंटीकेवाल पं मुखिया बृजकिशोर सिंह, कोबना पं मुखिया बब्लू मेहता, बलूरी पं सतेंद्र कुमार सिंह, नवाडीह पनारी पं मुखिया मदन चौधरी,विधायक प्रतिनिधि अरुण चौरसिया, पीएलवी अजय दास सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और फरियादी उपस्थित रहे।

आधार में नाम जुड़वाने के नाम पर ठगी का आरोप

फिंगर प्रिंट मशीन की मदद से विधवा के अकाउंट से निकाल लिए 46 हजार रुपए

थाना दिवस पर फरियादी विधवा महिला ने एसपी से लगाई रिकवरी की गुहार

संवाददाता

चतरा : आधार कार्ड बनवाते हैं या सुधरवाते हैं तो सावधान हो जाएं। इन दिनों हंटरगंज बाजार में कुछ सीएससी संचालकों द्वारा धडल्ले से आधार सुधारने और बनाने के नाम पर गरीब भोले भाले लोगों को ठगी का शिकार बना दे रहे हैं।ताजा मामला जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के हंटरगंज बाजार का है। जहां एक विधवा महिला अपने बच्चे को आधार कार्ड में नाम जुड़वाने सीएससी संचालक के पास गई। जहां संचालक द्वारा फिंगर प्रिंट लेकर विधवा महिला से 46 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। यह आरोप विधवा महिला ने खुद लगाया है और एसपी से दोषीयों के खिलाफ कारवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र

के डाहा निवासी विधवा महिला पुचू कुमारी ने बताया कि 19 मई को अपने दो वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार का हंटरगंज के एक सीएससी केंद्र में आधार कार्ड बनवाने आई थी। आधार कार्ड बनाने के दौरान मेरा फिंगर प्रिंट लिया गया। जिसके बाद 19 मई को शाम को सात हजार, 21 मई को नौ हजार पांच सौ, चार हजार नौ सौ, नौ हजार नौ सौ, चार हजार नौ सौ, नौ हजार नौ सौ, एक हजार , एक हजार और अंतिम एक हजार रूपया आठ जुलाई तक कुल छियालिस हजार रुपया निकल गया। जब मैं अपने बैंक में पासबुक प्रिंट आउट निकलवाया तो अचंभित रह गई। इसके बाद आनन फानन में इसकी लिखित शिकायत हंटरगंज थाना पुलिस को दी। लेकिन अभी तक कोई कारवाई नही हुई है। थक हार कर थाना दिवस पर हंटरगंज थाना पहुंची और एसपी से न्याय की गुहार लगाई। साहेब ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही समस्या का समाधान किया जायेगा। इधर इस मामले में एसपी सुमित अग्रवाल ने भी मामले को गंभीरता से लेने का पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया है ताकि गरीबों की राशि कोई फ्रॉड ना करें। पुलिस जांच में जुटी है। बता दे की सोमवार को हंटरगंज थाना में थाना दिवस का आयोजन किया गया था जहां एसपी फरियादियों की समस्या सुन रहे थे।उसी दौरान दो महिला एसपी साहब से शिकायत करती है कि उनके खाते से आधार बनवाने के बाद फिंगर प्रिंट के माध्यम से फ्रॉड हुई है। एक महिला बताती है कि मेरे खाता से चार हजार तो दूसरी महिला बोलती है मेरे खाते से छियालिस हजार रूपए अवैध निकासी हुई है। जिसके बाद एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए केश के अनुसंधान कर रहे पदाधिकारी को बुलाया और निर्देश दिया कि जल्द से जल्द जांच किया जाए और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाय। ताकि कोई गरीब उनके चुंगल में ना फंसे।

हटाई गई कस्तुरबा की सहायक शिक्षिका कंचन कुमारी

लावालौंग(चतरा) : छात्राओं के लिए आतंक बनी सहायक शिक्षिका कंचन सिंह के खिलाफ आवाज उठाना आखिरकार बालिकाओं के लिए सार्थक रहा।ज्ञात हो कि विगत कुछ दिनों से प्रखंड मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में बच्चियों के साथ मारपीट एवं प्रताड़ना की घटना वायरल हो रही थी।जिस पर त्वरित कदम उठाते हुए सिमरिया एसडीओ सन्नी राज एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा मामले की जांच करने सोमवार को कस्तूरबा पहुंचे थे।यहां गहन छानबीन एवं पूछताछ के बाद कड़ी फटकार लगाकर वे वापस लौट गए थे। इसके बाद मंगलवार को विभाग नें बड़ी कार्रवाई करते हुए शिक्षिका कंचन कुमारी को लावालौंग कस्तूरबा से हटाने का पत्र निर्गत कर दिया है।आरोप था कि मंधनियां पंचायत स्थित गड़यानी गांव की धनवंती कुमारी कस्तुरबा में कक्षा नौवी की छात्रा को सुबह ब्रश करने के दौरान कनपट्टी पर जोरदार तमाचा जड़ दिया था।जिसके इलाज में काफी पैसे खर्च हुए थे। मारपीट की डर के कारण धनवंती दुबारा कस्तुरबा नहीं जाना चाहती थी।इस सूचना से दर्जनों अभिभावकों नें कहा है कि विभाग के इस कार्रवाई से निश्चित ही हमारे बच्चियों को प्रताड़ना और भय से मुक्ति मिलेगी।हम अभिभावक विभागीय पदाधिकारियों का आभार प्रकट करते हैं।साथ ही उन प्रतिनिधियों का भी आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने छानबीन कर बच्चियों की आवाज को पदाधिकारियों तक पहुंचाने का कार्य किया है।

विश्व आदिवासी दिवस पर रांची में होगा आदिवासी महोत्सव का आयोजन, रवाना किया गया जागरूकता रथ

संवाददाता

रांची: विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड में 9, 10 और 11 अगस्त को आयोजित होने वाले आदिवासी महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं. इसी के तहत 29 जुलाई को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष सचिव राजीव लोचन बख्शी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जागरूकता रथ इस आयोजन की भूमिका को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा.

राजीव लोचन बख्शी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में भव्य आदिवासी महोत्सव 2025 का आयोजन किया जाएगा. यह महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि पहचान, एक संघर्ष, एक गौरव का उत्सव है, जिसमें पारंपरिक आदिवासी संस्कृति के साथ आधुनिकता भी देखने को मिलेगी. आदिवासी महोत्सव 2025 के माध्यम से हम आदिवासी संस्कृति, पहचान, अधिकार और योगदान से रूबरू हो सकेंगे. इस महोत्सव के माध्यम से हम न केवल राज्य और देश बल्कि दुनिया भर में फैली आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, लोक कला, भाषा, वेशभूषा और खान-पान को प्रदर्शित कर एक मजबूत सांस्कृतिक संवाद स्थापित करेंगे.

चौक-चौराहों पर जाएगा जागरूकता रथ : यह जागरूकता रथ राजधानी रांची के प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों, स्कूल-कॉलेजों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में घूमेगा. रथ पर पोस्टर और फ्लेक्स के माध्यम से जनजातीय कलाकृतियों और सांस्कृतिक संदेशों को प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि जनसाधारण को जनजातीय समुदाय की ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को जानने का अवसर मिले. इसके अलावा, जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को महोत्सव की तिथि, स्थान, विशेष आकर्षण, आमंत्रित कलाकारों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह जागरूकता रथ न केवल रांची, बल्कि राज्य के अन्य ज़िलों का भी भ्रमण करेगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस आयोजन से जुड़ सकें और इसकी गरिमा बढ़े. इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक श्री आनंद सहित विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

नशा उन्मूलन पर निर्मला कॉलेज में डालसा का कार्यक्रम

रांची : झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष के मार्गदर्शन में मंगलवार को निर्मला कॉलेज, में छात्र-छात्राओं के लिए ह्यडॉन अभियानह्न के तहत नशा मुक्ति पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लाइफ सेवर्स के अतुल गेरा, एलएडीसीएस डिपूटी चीफ, राजेश कुमार सिन्हा और एनसीबी के आनंद, सीआईडी के एस.आई. रिजवान अंसारी निर्मला कॉलेज के शिक्षक समेत अन्य उपस्थित थे। एलएडीसीएस अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने भारतीय संविधान का अनुच्छेद 47 राज्य को निर्देशित करता है कि वह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मादक पेय और नशीली दवाओं के सेवन को औषधीय उद्देश्यों को छोड़कर, समाप्त करने का प्रयास करेगा। अफीम या पोस्ता के उत्पादन या कब्जे पर एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत मात्रा के आधार पर 20 साल तक के कठोर कारावास एवं 2 लाख रूप्ये के जुमार्ने की सजा हो सकती है। बार-बार अपराध करने पर मृत्युदंड तक दिया जा सकता है। काँके के पुनर्वास केंद्रों के साथ-साथ एनजीओ भी नशा करने वालों को ठीक करने में मदद करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सीआईपी और रिनपास में जिला विधिक सेवा प्राधिकार का लिगल एड क्लिनिक है, वहां पर वैसे नशा करनेवाले व्यक्तियों को ईलाज किया जाता है। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची सहायता प्रदान करती है। नशा से संबंधित पदार्थों के बारे में श्री सिन्हा ने विस्तार से बताया।

सदर अस्पताल में अविवाहित नाबालिग ने बच्चे को जन्म दिया

संवाददाता

रांची : सदर अस्पताल में एक 14 वर्षीय अविवाहित नाबालिग ने बच्चे को जन्म दिया। प्रसव के बाद किशोरी ने गांव के एक लड़के द्वारा महीनों पहले किए गए दुष्कर्म की जानकारी दी। पीड़िता ने बताया कि स्कूल से लौटते समय युवक ने उसे अकेला पाकर दुष्कर्म किया और धमकी दी थी। घरवालों को जानकारी होने पर भी उन्होंने लोकलाज के डर से शिकायत नहीं की।

लगभग पांच महीने बाद पीड़िता के शरीर में परिवर्तन को देखने को मिला तो घरवालों ने चिकित्सक से उसकी जांच करवाई। इसके बाद पीड़िता ने घर वालों को घटना की पूरी जानकारी दी। घरवाले भी लोकलाज के डर से चुप रहे।

पांच महीने के बाद गर्भपात कराने से जच्चा-बच्चा दोनों की जान को खतरा हो सकता था। इस कारण उन्होंने नाबालिग बेटी का प्रसव कराने का निर्णय लिया और घर से दूर रांची आकर सदर अस्पताल में प्रसव कराया।

किशोरी के माता-पिता ने बताया कि डर और लोकलाज के कारण उन्होंने बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी गर्भावस्था की जानकारी होने के बाद भी इसकी शिकायत नहीं की। सदर अस्पताल के डाक्टरों ने बताया कि नाबालिग ने पूरे नौ माह के बाद बच्चे को जन्म दिया है।

राज्य समन्वय समिति बनी राजनीतिक उपहार योजना : प्रतुल शाह देव

संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार पर पड़ा हमला करते हुए झारखंड राज्य समन्वय समिति को पूरी तरह से औचित्यहीन और निष्क्रिय बताया है।प्रतुल शाहदेव ने जोर देते हुए कहा कि इस समिति का गठन विकास कार्यों में समन्वय के नाम पर किया गया था, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह महज सत्ताधारी दलों के नेताओं को राज्य मंत्री का दर्जा देकर उपकृत करने का एक राजनीतिक उपहार योजना बनकर रह गई है।

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि 2022 के अंत में इस समिति का गठन बड़े उद्देश्य और दावों के साथ किया गया था। लेकिन आज ढाई वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद समिति की केवल एक औपचारिक बैठक झ वह भी 10 जून, 2023 में आयोजित हुई है। वर्ष 2024 और अब 2025 में कोई भी बैठक नहीं हुई है। ऐसे में इस समिति के अस्तित्व का क्या औचित्य रह जाता है? प्रतुल ने कहा समिति की बैठक ना हो रही हो लेकिन समिति के नाम पर राजनीतिक रेवड़िया बांटना जारी है। 9 अक्टूबर,2024 को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को भी इस समन्वय समिति का सदस्य बना कर राज्य मंत्री का दर्जा दे दिया गया।

प्रतुल शाह देव ने कहा कि जब बैठकें ही नहीं हो रही हैं, तो क्या राज्य सरकार यह बताएगी कि समिति के सदस्यों को राज्य मंत्री का दर्जा देने के नाम पर अब तक जनता के गाढ़ी कमाई के कई करोड़ रुपये फूकने का क्या औचित्य है? प्रतुल ने कहा इस समन्वय समिति में कुल 9 सदस्य हैं और अधिकांश को राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त है।प्रतुल ने कहा कि यह समिति जनता की भलाई के लिए ना बन कर सिर्फ राजनीतिक समझौतों की पूर्ति के लिए बनी है।प्रतुल शाहदेव ने कहा कि अब इस समिति का एकमात्र उद्देश्य रह गया है झ सत्ता पक्ष के कुछ नेताओं को सरकारी वाहन, आवास, स्टाफ, और अन्य सरकारी सुविधाएं देना, जबकि झारखंड के आम लोग बिजली, पानी, सड़क, और रोजगार जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं।कांग्रेस के कई नेता इस समिति के सदस्य हैं। ऐसे तो कांग्रेस की इस सरकार में रत्ती भर पूछ नहीं रही है। लेकिन मलाईदार पदों को लेकर कांग्रेसी भी चुपचाप रबर स्टांप की भूमिका में है।

दक्षिणी छोटानागपुर बस मालिक समन्वय समिति ने प्रमंडलीय आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

रांची: दक्षिणी छोटानागपुर बस मालिक समन्वय समिति का प्रतिनिधिमंडल दक्षिणी छोटानागपुर प्रादेशिक परिवहन प्राधिकारी से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने समिति के संयोजक किशोर मंत्री के नेतृत्व में प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्रा को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि बड़ी बस को 10 मिनट और छोटी बस को 5 मिनट के अंतराल रखते हुए मंतव्य देने के पूर्व की भांति बस मालिक समन्वय समिति को सलाहकार बनने का अनुरोध किया गया। साथ ही दक्षिणी छोटानागपुर प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार रांची के क्षेत्र के अंतर्गत बड़ी बस को समय सारणी पर 10 मिनट एवं छोटी बस को 5 मिनट के अंतराल पर स्वीकृत किए जाने का भी अनुरोध किया गया।प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि नवीन मार्ग का निर्धारण करने की जरूरत है क्योंकि पूर्व में वर्ष 2016 में मार्गों का निर्धारण हुआ था। इस बीच बहुत सारी सड़कों का निर्माण हो चुका है। नवीन मार्गों का निर्धारण हेतु प्राधिकार अपने स्तर से पहल करें। इसमें समन्वय समिति हर तरह का सहयोग करेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एंव उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अंतर्गत निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है– **ई–निविदा सूचना सं. 2025-26:** 85 of 2025-26, **कार्य का नाम व स्थान:** Construction of RUB/LHS in lieu of LC No.C-264, C-274, C-307, 319, 331A on SMR-MBF section under ADEN/BME of Jodhpur Division, **अनुमानित लागत रुपये:** 168506021.44, **बयाने की राशि रुपये:** 992500.00, **ई–निविदा सूचना सं. 2025-26:** 86 of 2025-26, **कार्य का नाम व स्थान:** Various activities in C/W Through Ballast Recoupment (TBR) 129.15 Km. & other Miscellaneous maintenance work in the section of ADEN/Barmer of Jodhpur Division, **अनुमानित लागत रुपये:** 127373866.86, **बयाने की राशि रुपये:** 786900.00, निविदा सूचना संख्या 85 of 2025-26 एवं 86 of 2025-26 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 18.08.2025 को 15.00 बजे तक है वेबसाइट का विवरण जहाँ पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती है– www.ireps.gov.in

928-PS/25

हमें @NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

एंबुलेंस कर्मचारियों की मांगों पर विचार करें मुख्यमंत्री : बाबूलाल मरांडी

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा। श्री मरांडी ने कहा कि समय पर वेतन का भुगतान न होने के कारण एंबुलेंस कर्मचारी हड़ताल पर बैठे हुए हैं। हर जगह मरीज परेशान हैं, परंतु सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता, और स्वास्थ्य मंत्री तो पहले ही कह चुके हैं कि खाट पर मरीजों को अस्पताल ले जाना आम बात है। श्री मरांडी ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसे ह्यप्रगतिशील एवं अति संवेदनशीलह्न व्यक्ति को स्वास्थ्य मंत्री का पद प्राप्त होगा तो झारखंडवासी सुचारू स्वास्थ्य सुविधाओं की उम्मीद किससे करेंगे?

कहा कि इससे पहले भी एम्बुलेंस चालकों ने हड़ताल की थी। तब सरकार व सरकार द्वारा ह्लनव-नियुक्तह्व एम्बुलेंस सेवा प्रदाता कंपनी ने कर्मचारियों की माँगें मानने का केवल दिखावा किया, अभी तक उस त्रिपक्षीय समझौते पर अमल नहीं हुआ है। जिसमें एम्बुलेंस कर्मियों को श्रम विभाग द्वारा तय वेतनमान दिया जाए,सेवातर कर्मचारियों का सेवा काल 60 वर्ष किया जाए,कर्मचारियों की पूर्व में की गई वेतन कटौती का भुगतान हो,सेवा प्रदाता कंपनी या ठेकेदारों की जगह एनएचएम से भुगतान हो, उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से जानना चाहा कि आखिर इन माँगों में ऐसा क्या है जिसे नहीं माना जाना चाहिए?

कहा कि हर दिन स्वास्थ्य व्यवस्था में लापरवाही के किस्से सामने आते हैं, लेकिन राज्य में खराब पड़ी एम्बुलेंसेज की तरह शायद स्वास्थ्य विभाग को भी जंग लग गया है। अनर्गल बयानबाजी से ना तो व्यवस्था सुधरेगी, ना मरीजों का स्वास्थ्य, ये समझना स्वास्थ्य मंत्री जी के लिए इतना मुश्किल क्यों है?

झारखंड छात्र मोर्चा के दर्जनों सदस्य आजसू छात्र संघ में शामिल

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा है कि हेमंत सरकार की प्राथमिकता शिक्षा में गुणात्मक सुधार करने की नहीं है, बल्कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए राज्यपाल के अधिकारों पर प्रहार किया जा रहा है। यह लोकतांत्रिक परंपराओं और संविधान की मूल भावना का अपमान है। श्री महतो ने आज पार्टी कार्यालय में आजसू छात्र संघ द्वारा आयोजित मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार ने युवाओं और छात्रों को ठगा है। राज्य में बेरोजगारी चरम पर है, नौकरियां सिर्फ कागजों पर हैं। सरकार की प्राथमिकता शराब की दुकानों का समय तय करना है, न कि युवाओं का भविष्य।

श्री महतो ने कहा कि कुलपति का चयन अब सरकार करेगी, जो युवाओं के अधिकारों पर कुठाराघात है। इससे पूर्व जनजातीय सलाहकार परिषद के मामले में भी राज्यपाल के अधिकारों की कटौती की गई है, जबकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान ने राज्यपाल को कुछ मामलों में विशेषाधिकार प्रदान किया है। श्री महतो ने कहा कि हमारी लड़ाई झारखंड के हर वर्ग के लिए है। हम विचारों को एकत्रित करेंगे, चाहे वह परिवार हो, गांव हो या कोई क्षेत्र। यह पार्टी सभी वर्गों की है, और हम इसे हर मुद्दे पर निर्णायक लड़ाई के साथ आगे ले जाएंगे। सुदेश महतो ने कहा कि स्थानीय नीति और नियोजन नीति के नाम पर झूठे वादों से जनता को गुमराह किया गया। भर्ती प्रक्रिया हो या नियुक्ति कैलेंडर–हर मोर्चे पर यह सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। तीन महीने में शून्य खर्च हुआ है और योजनाओं पर कोई अमल नहीं किया जा रहा।

आजसू ने संघर्ष कर बनाया है झारखंड: प्रवीण प्रभाकर

केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि आजसू ने इतिहास रचा है और संघर्ष कर अलग राज्य लिया है। आजसू ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार से वार्ता कर वनांचल की बजाय झारखंड नामकरण करवाया। श्री प्रभाकर ने कहा कि पार्टी छात्रों, युवाओं और सभी वर्गों के लिए हमेशा संघर्ष करती रही है। हम सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ेंगे। हमारा लक्ष्य सामाजिक न्याय और समृद्ध झारखंड है। मौके पर दीपक महतो, संजय मेहता, बसंत महतो, कुमुद वर्मा, परवाज खान, ऋतुराज शाहदेव, ओम वर्मा, ज्योत्सना केरकेट्टा, मोहसिन खान, अभिषेक आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल से अमेरिकी महावाणिज्य दूत ने शिष्टाचार भेंट की

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता की महावाणिज्य दूत कैथी जाइल्स-डियाज ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान दोनों के मध्य विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल ने जाइल्स-डियाज को झारखंड की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विशेषताओं से अवगत कराते हुए कहा कि यह राज्य प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है तथा यहां प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा उपलब्ध है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि झारखंड में अनेक विश्वप्रसिद्ध धार्मिक स्थल स्थित हैं, जो राज्य की आध्यात्मिक समृद्धि के प्रतीक हैं। राज्यपाल ने यह भी कहा कि वर्तमान में पवित्र श्रावणी माह के अवसर पर देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु गहरी आस्था के साथ कांवर यात्रा कर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम एवं दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर पहुंच रहे हैं और श्रद्धापूर्वक जलार्पण कर रहे हैं।

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,राँची

पत्रांक 2974 राँची,दिनांक 28.7.2025

e-tender Cancellation Notice.

कार्यालय के ई–निविदा संख्या 1823 दिनांक 13.5.2025 जो कैथलेब के कय हेतु ई–निविदा प्रकाशित किया गया था जिसे अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है। ई–निविदा संख्या 1823 दिनांक 13.5.2025 का PR352253 (Health Med Edu and Family Welfare) 25-26(D) है।

PR 358480 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)#D

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची

पांच दिवसीय श्री कृष्ण बीतक कथा के तीसरे दिन गुरु शिष्य का आध्यात्म संगम

स्वामी देवचन्द्रजी के महान उपदेशों एवं प्रवचनों से सोयी हुई आत्माएं जागृत हो जाती है:विदुषी साध्वी मीणा महाराज

संवाददाता

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वाधान में संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग रांची मे आयोजित पांच दिवसीय संगीतमय श्री कृष्ण बीतक कथा के तीसरे दिन का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कथा वाचिका विदुषी साध्वी मीणा महाराज एवं विदुषी पूर्णा महाराज ने भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। तीसरे दिन की कथा मे विदुषी साध्वी मीणा महाराज ने कही की देवचन्द्र महाराज को श्री कृष्ण जी दर्शन देकर कहा था कि ₹देवचन्द्र जी सब देवन के देव और सम्पूर्ण इष्टों के इष्ट हैं।₹ यह सुनकर स्वामी हरिदास जी देवचन्द्र जी के पैरों पर गिर पड़े और स्वामी जी के मन में देवचन्द्र जी के प्रति पूज्य भाव जाग्रत हुआ।उनका राधिका जी के प्रति

अटूट वात्सल्य प्रेम था। सौभाग्यवश इस ब्रह्माण्ड में भी आप गुरु हुए और शिक्षा-दीक्षा से देवचन्द्र जी को सन्तुष्ट किया। इसी पुण्य प्रताप के कारण बालमुकुन्द जी ने आपको साक्षात दर्शन देकर कहा- तू सेवक याको जाने, जो तू याको नाहिं पहचानें। तू लाग चरण जा वाकें, तू हो सेवक जाये ताके।विश्व के धार्मिक इतिहास में ऐसे प्रकरण कम ही मिलते हैं जब गुरु शिष्य के प्रति पूज्य भाव रखने लगे। स्वामी हरिदास जी का यह पूज्य भाव का उदाहरण अद्भुत एवं अपूर्व था। सचमुच स्वामी देवचन्द्र की निजानन्द पद्धति आज भी प्रणामी सम्प्रदाय के अनुयायियों की प्रेरणा स्रोत है, जिनके महान उपदेशों एवं प्रवचनों से सोयी हुई आत्मायें जागृत हो जाती हैं, जिनकी दिव्य दृष्टि से जन्म जन्मान्तर के कल्मश समाप्त हो जाते हैं, इसके उपरांत विदुषी साध्वी पूर्णा महाराज ने श्रीकृष्ण के ब्रज दर्शन के दिव्य प्रसंग को अत्यंत मार्मिक एवं भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया।श्रवण कक्ष में उपस्थित भक्तगण कथा की प्रत्येक पंक्ति के साथ आत्म विभोर हो उठे। कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, राधा कृष्ण के सुमधुर भजनों एवं सत्संग से मंदिर परिसर भक्तिमय जयकारो से गूंज उठा। कथा के अंत में सामूहिक आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि कार्यक्रम के चौथे दिन की बीतक कथा में आध्यात्मिक प्रसंगों की प्रस्तुति की जाएगी। तथा पांचवें दिन गुरुवार को अंतिम कथा सुबह 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक होगा। पश्चात कथा का समापन होगा। उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से सहभागी होने की अपील की है।

इस अवसर पर-डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज चौधरी, पूरणमल सर्राफ, संजय सर्राफ, मधु जाजोदिया, मनीष जालान, पवन पोद्दार, विशाल जालान, पुजारी अरविंद पांडे, विद्या देवी अग्रवाल, विमला जालान, शोभा जालान, सरिता अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, उर्मिला पाड़िया, निकिता जालान, उमा नारसरिया, अनीता जालान, सुलोचना देवी चौधरी, रेखा पोद्दार, शारदा पोद्दार, सरोज पोद्दार, शीला मुरारका, के अलावे बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी

लाईफ जैकेट एवं जलाशय मछुआरों को आई कार्ड योजना से संबंधित सूचना

झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश संख्या–11रा(वि0), दिनांक–04.07.2025(मत्स्य प्रसार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना, वित्तीय वर्ष 2025–26) द्वारा जिला–खूँटी के केज मत्स्य पालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक लाईफ जैकेट प्रति लाभुक अनुदान पर उपलब्ध कराये जाने तथा जलाशय में मत्स्य शिकारमाही करने वाले मछुआरों (बिरसा मत्स्य किसान) को आईडेन्टिटी कार्ड उपलब्ध कराये जाने का भौतिक लक्ष्य प्राप्त है। योजनाओं हेतु आवेदन प्रपत्र/आवेदन का प्रारूप जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। सभी वांछित कागजातों के साथ प्राप्त आवेदन ही चयन प्रकिया में सम्मिलित किये जायेंगे। दिनांक– **18.08.2025** तक कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी मे विहित प्रपत्र में आवेदन जमा करना होगा। आवश्यकतानुसार Blockchain Platform में ऑनलाईन आवेदन भी करना होगा। योजना की विस्तृत जानकारी जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से प्राप्त की जा सकती है।

योजना/अनुदान की विवरणी निम्नलिखित है:–

क्र०	योजना का नाम	इकाई	लक्ष्य	राज्य सरकार का अनुदान	लाभुक अंशदान	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	केज मत्स्य पालकों को लाईफ जैकेट	संख्या में	20	इकाई लागत मो० 2420/– रु० प्रति लाईफ जैकेट का 75 प्रतिशत अर्थात् 1815/– रु० मात्र प्रति लाईफ जैकेट	लागत की शेष 25 प्रतिशत राशि अर्थात् मो० 605/– रु० मात्र प्रति लाईफ जैकेट	वैसे केज लाभुक जिनके द्वारा वर्त्तमान में मछली पालन किया जा रहा है तथा अंशदान लगाने की लिखित सहमति देते हैं योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। लाभुक को विगत वर्षों का केज में मछली उत्पादन का आँकड़ा आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।
2	जलाशय स्तरीय मछुआरों (बिरसा मत्स्य किसान) के लिए आईडेन्टिटी कार्ड (डेटा सहित)	संख्या में	20	पूर्ण अनुदान	Nil	जलाशय स्तरीय मछुआरों को अपना डेटा विहित प्रपत्र में उपलब्ध कराना होगा।

लाभुकों का चयन जिला स्तरीय सुरक्षित जमा निर्धारण समिति द्वारा किया जाएगा। सामग्री क्रय का भौतिक सत्यापन कराना होगा एवं GST अभिश्रव कार्यालय में प्रस्तुत करने पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाता में डी०बी०टी० के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
खूँटी

PR 358461 Fish(25-26)#D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

डिजिटल चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में प्रौद्योगिकी ने आम भारतीय के जीवन को सहज-सरल बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। आज तमाम तरह की सुविधाओं को हासिल करने के लिये उसे दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। अनेक सेवाएं एक क्लिक के साथ उसकी मुट्ठी में होती हैं। दरअसल, डिजिटल इंडिया की महत्वाकांक्षी पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। जिसका मकसद रोजाना व्यवहार में सामने आने वाली जटिलताओं को दूर करके जीवन को आसान बनाना था। निस्संदेह, पिछले एक दशक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने कई प्रकार से नागरिकों को सशक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। विशेष रूप से डिजिटल भुगतान आज पूरे देश में अपरिहार्य हो गए हैं। इससे जुड़े आंकड़े पूरी दुनिया को चौंका रहे हैं। इस वर्ष अप्रैल में लगभग 25 लाख करोड़ रुपये के यूपीआई लेन-देन किए गए हैं। इन यूपीआई लेनदेन की संख्या करीब 1,860 थी। वर्ष 2023 में भारत ने वैश्विक रीयल-टाइम लेनदेन का 49 फीसदी हासिल किया। जिसमें 46 करोड़ लोग और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का उपयोग कर रहे थे। निस्संदेह, शासन के विभिन्न क्षेत्रों में भी डिजिटल उपयोग में खासी प्रगति हुई है। जिससे व्यवस्था अधिक पारदर्शी और नागरिकों के हितों के अनुकूल हो गई है। इस डिजिटल क्रांति के चलते स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बैंकिंग और अन्य सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच आसान हुई है। डिजिटल क्रांति से जुड़ी तमाम चुनौतियों के अलावा अभी देश में डिजिटल डिवाइड की समस्या बनी हुई है। जिसे यथाशीघ्र पाटने की जरूरत है। हालांकि, इस दिशा में आशातीत प्रगति भी हुई है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने के लिये चरणबद्ध प्रयासों की सख्त जरूरत है। यह चुनौती ग्रामीण भारत में अधिक नजर आती है। जहां इंटरनेट सेवाओं और मोबाइलों की पहुंच शहरों के मुकाबले कम है। जाहिर है, जब देश के हर व्यक्ति तक डिजिटल क्रांति का लाभ पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगा, इस क्रांति के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे। निश्चित रूप से देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग आदि सेवाओं में जो व्यापक सुधार आया है, उसका लाभ हर नागरिक तक पहुंचना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर देश में डिजिटल डिवाइड की खाई को पाटने की दिशा में मिशन के रूप में प्रयास जारी हैं। लेकिन हाल में हुए कुछ सर्वेक्षणों के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। इसमें शामिल व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण : दूरसंचार, 2025 का उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। जिसके अनुसार साल 2025 तक भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली लगभग आधी महिलाओं के पास मोबाइल फोन उपलब्ध नहीं थे। इसके निष्कर्ष एक महीने पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा भी जारी किए गए थे। वहीं इसी तरह एक और आंख खोलने वाली बात शिक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले यूनिफाइड डिस्ट्रिक इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट में भी सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के केवल 57.2 फीसदी स्कूलों में कार्यात्मक कंप्यूटर ही उपलब्ध हैं। वहीं दूसरी ओर 53.9 प्रतिशत स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। देश के विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत नेट परियोजना के तहत कुल 6.55 लाख गांवों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिये लक्षित किया जाना था, लेकिन अभी तक उसमें दो-तिहाई गांवों को कवर किया जाना अभी बाकी है। वहीं दूसरी ओर देश की इस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी ने बीएसएनएल की दुर्दशा को भी उजागर किया है, जो एक के बाद एक पुनरुद्धार पैकेज मिलने के बावजूद टेलीकॉम क्षेत्र की निजी कंपनियों के खिलाड़ियों से पीछे है। निस्संदेह, मोदी सरकार के पास डिजिटल इंडिया की प्रगति के लिये अपनी पीठ थपथपाने के लिये कई कारण हैं, लेकिन उसे कमियों और अंतरालों पर ध्यान देने की सलाह दी जाएगी। निश्चित रूप से डिजिटल पारिस्थितिकीय तंत्र के भीतर व्याप्त असमानताओं को दूर किए बिना विकसित भारत के लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा। डिजिटल क्रांति को गति देना निश्चित तौर पर राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए।

थकी-तनावग्रस्त पीढ़ी

अपने हालिया अध्ययन में यूरोपीय आयोग ने चिंता जतायी है कि सोशल मीडिया पर अतिसक्रियता से युवा पीढ़ी तनाव व थकान से जूझ रही है। इस संकट को लेकर भारतीय समाजविज्ञानी, चिकित्सक व मीडिया भी लंबे समय से चेतावनी देता रहा है। लेकिन जब कोई मुहिम व अध्ययन पश्चिमी जगत से आता है तो हम उसे विशेष महत्व देने लगते हैं। अब जब यूरोपीय आयोग जेनरेशन जेड को लेकर अपने निष्कर्ष सामने ला रहा है तो भारत में नये सिरे से उसकी चर्चा होने लगी है। विडंबना यह है कि पिछली सदी के अंतिम वर्षों से लेकर इस सदी के पहले दशक में पैदा हुए बच्चों की यह पहली पीढ़ी है, जिसे कम उम्र में ही सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से रूबरू होने का मौका मिल गया था। यह पीढ़ी पारंपरिक मानकों को चुनौती देकर अपना नया आकाश तलाशने की जद्दोजहद में जुटी रही है। इस पीढ़ी ने परंपरागत जीवन मूल्यों को तिलांजलि देकर अपनी महत्वाकांक्षाओं को अंजाम दिया। साथ ही नये नजरिये की जीवनशैली का अंगीकार किया। यह पीढ़ी डिजिटल युग के साथ कदमताल करती नजर आई। इंटरनेट के विस्तार के साथ वह सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों के साथ सहज दिखी। लेकिन काल्पनिक धरातल पर उगा सोशल मीडिया इस पीढ़ी को यथार्थ से बहुत दूर ले गया। फलतः कठोर यथार्थ से जूझते हुए यह पीढ़ी कल्पना व वास्तविकता के द्वंद्व के चलते तनाव व असहजता के भंवर में जा फंसी। इस बात की पुष्टि यूरोपीय आयोग का अध्ययन भी करता है। आयोग कहता है कि लगातार सोशल मीडिया में सक्रियता के चलते युवाओं में चिंता, मानसिक थकान, कुछ खोने का भय व मोबाइल में चिपके रहने की विसंगतियां सामने आई हैं। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के विश्व खुशी सूचकांक रिपोर्ट में भी इन खतरों की तरफ इशारा किया गया था। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि युवा वर्ग सबसे अधिक दुखी है। चौंकाने वाली बात यह थी कि उनमें तनाव व डिप्रेशन की वजह पढ़ाई या कैरियर की चिंता नहीं थी बल्कि इसकी मूल वजह सोशल मीडिया ही था। वास्तव में हमने कोरोना संकट से उबरने के लिये जिस ऑनलाइन व्यवस्था को अस्त्र के रूप में अपनाया था, कालांतर वह ही शस्त्र बनकर युवा पीढ़ी को जख्मी करने लगा। उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान जब संचार बंदी लागू हुई तो पूरी दुनिया में जनजीवन ठप पड़ गया। जिसके चलते घरों में कैद लोगों को इंटरनेट ही अंतिम सहारा नजर आया। धीरे-धीरे युवाओं का जीवन इंटरनेट पर बहुत ज्यादा आश्रित हो गया। जहां छात्रों की पढ़ाई ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भर हो गई, वहीं मनोरंजन की दुनिया भी मोबाइल आदि तक सिमट कर रह गई। वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिये शिक्षा व कैरियर का दबाव यथावत बना रहा। लेकिन एक हकीकत यह है कि जीवन व्यवहार में सब कुछ ऑनलाइन हो पाना संभव नहीं है। जीवन तो हमारी कठोर वास्तविकता और सामाजिक सहभागिता से ही चलता है। वैसे फिलहाल हमारा वैश्विक परिवेश भी कम उथल-पुथल वाला नहीं है। जब तक दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल में लगे झटके से उबर पाती, दुनिया में कई युद्धों व क्षेत्रीय संघर्षों ने पूरी दुनिया की आर्थिकी की स्वाभाविक गति को रोक दिया। निस्संदेह, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष व इस्राइल तथा ईरान के बीच हुए संघर्ष ने विश्व विकास की स्वाभाविक गति को बाधित किया, जिसका नकारात्मक प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ा। वहीं वैश्विक टकराव के अलावा युवाओं के अपने राष्ट्रों की विषम स्थितियां व जलवायु परिवर्तन के कारकों के चलते रोजगार के सिमटते अवसरों ने भी नई पीढ़ी को हताश किया। इसके बावजूद युवा पीढ़ी उस सोशल मीडिया

सावन का महीना, शिव मंदिर और दो देशों के बीच तांडव

नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर 'कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता।

हरीश शिवनानी

सावन का महीना भारत में सनातनी संस्कृति-धर्मावलंबियों के लिए पावन और महत्वपूर्ण माना जाता है। पूरे देश में शिव मंदिरों में महीने भर पूजा-अर्चना के कार्यक्रम चलते रहते हैं। इस बार सावन का महीना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट कारण से चर्चा में आ गया है। इस सावन माह में दो बौद्ध देशों के बीच सशस्त्र तांडव छिड़ गया है। इसका कारण हैं दो शिव मंदिर। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर स्थित प्रासात प्रेह विहियार और प्रासात ता मुएन थोम नामक ये शिव मंदिर करीब एक हजार वर्ष प्राचीन हैं। दोनों देश बौद्ध बहुल हैं, लेकिन मंदिर की हिंदू विरासत दोनों के लिए सांस्कृतिक महत्व रखती है। थाईलैंड में हिंदू परंपरा और बौद्ध धर्म का मिश्रण देखा जाता है, जबकि कंबोडिया इसे अपनी खमेर पहचान से जोड़ता है। भारत की तरह वहाँ भी सावन मास में इनका महत्व बढ़ जाता है। दो बौद्ध देशों के बीच शिव मंदिरों को लेकर संघर्ष यह पुष्ट करता है कि आज भी यहाँ के निवासियों के मन-मस्तिष्क में अपनी मूल, प्राचीन सनातन संस्कृति की जड़ों के प्रति कितना सम्मान, कितनी तृष्णा है। जो भारतवर्ष सनातन हिन्दू संस्कृति और हिन्दू सभ्यता का जन्मदाता है, वहां अपने आराध्य श्रीराम के एक मंदिर के लिए 500 वर्ष तक लम्बा संघर्ष करना पड़ा। थाईलैंड और कम्बोडिया इन शिव मंदिरों पर अपना स्वामित्व जताने के लिए सौ साल से ज्यादा संघर्षरत हैं। दोनों खमेर कालीन हिंदू मंदिर हैं, जो लगभग 153 किमी की दूरी पर स्थित हैं और लंबे समय से दोनों देशों के बीच तनाव का केंद्र रहे हैं। प्रासात प्रेह विहियार शिव मंदिर और इसके आसपास के क्षेत्र का विवाद थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक जटिल मुद्दा है। धार्मिक स्थल के साथ यह दोनों देशों की राष्ट्रीय पहचान, गौरव, ऐतिहासिक दावों और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़ा है। इस मंदिर की पांच स्तरीय चढ़ाई आत्मिक उत्थान का प्रतीक है। यह मंदिर थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर डोंगरेक पर्वत श्रृंखला में स्थित है। प्रासात प्रेह विहियार मंदिर का निर्माण 9 वीं से 11वीं शताब्दी के बीच खमेर साम्राज्य के दौरान हुआ। खमेर वास्तुशिल्प वाले इस मंदिर को खमेर राजा सूर्यवर्मन प्रथम और सूर्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में बनवाया गया, जो अंगकोर वाट जैसे प्रसिद्ध मंदिरों के लिए भी जाने जाते हैं। इस मंदिर को ह्यशिखरेश्वरह्न भी कहा जाता है। मंदिर में शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा स्थापित है, जो हिंदू धर्म की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है। प्रासात प्रेह विहियार मंदिर की भौगोलिक स्थिति विवाद का प्रमुख कारण है। मंदिर तक पहुंच का मुख्य रास्ता थाईलैंड की ओर से है, हालांकि पूर्वी और पश्चिमी ओर से कंबोडिया के शहरों से जुड़े दो रास्ते भी हैं। कंबोडियाई स्वयं को खमेर साम्राज्य के वंशज मानते हैं और इस मंदिर को अपनी सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान मानते हैं। वहीं,थाईलैंड में इसे हिंदू और बौद्ध विरासत के हिस्से के रूप में देखा जाता है, क्योंकि यह क्षेत्र पहले स्याम (थाईलैंड का पुराना नाम) के प्रभाव में था। 1863 से 1953 तक कंबोडिया फ्रांसीसी उपनिवेश के अधीन था। 1907 में फ्रांस और स्याम (थाईलैंड) के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें डोंगरेक पर्वत क्षेत्र और प्रासात प्रेह विहियार मंदिर को कंबोडिया के हिस्से के रूप में चिह्नित किया गया। जिसे थाईलैंड ने स्वीकार नहीं किया। इस सीमा निर्धारण ने विवाद की नींव रखी, क्योंकि थाईलैंड का दावा था कि मंदिर और इसके आसपास का क्षेत्र उनके सुरीन और सिसाकेट प्रांतों का हिस्सा है। वर्ष 1959 में कंबोडिया विवाद को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ले गया। 1962 में न्यायालय ने मंदिर कंबोडिया के क्षेत्र में माना। थाईलैंड ने फैसले को स्वीकार नहीं किया। जुलाई 2008 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर का दर्जा दिया, जिसका भी थाईलैंड ने विरोध किया। इसके बाद सीमा पर सैन्य तनाव बढ़ गया और 2008 से 2011 तक दोनों देशों के सैनिकों के बीच कई झड़पें हुईं। 2011 में यह संघर्ष चरम पर पहुंचा, जिसमें 36,000 लोग विस्थापित हुए और कम से कम 28 लोग मारे गए। उधर, प्रासात प्रेह विहियार मंदिर की तरह ही प्रासात ता मुएन थोम प्राचीन मंदिर भी विवाद का बिंदु है। प्रासात ता मुएन थोम की खास बात यह है कि इसका शिवलिंग प्राकृतिक चट्टान से बना है और ह्यस्वयंभू शिवलिंगह्न की तरह पूजा जाता है। थाईलैंड के सुरिन प्रांत और कंबोडिया के ओडार मींचेई प्रांत की सीमा पर प्यह मंदिर 12वीं शताब्दी में खमेर सम्राट उदयादित्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में बना। प्रासात ता मुएन थोम मंदिर को लेकर तनाव 13 फरवरी 2025 से शुरू हुआ। जब कंबोडियाई सैनिकों ने मंदिर में जाकर अपना राष्ट्रगान गाया, जिसे थाई सैनिकों ने सीमा उल्लंघन माना और विवाद शुरू हो गया। इसके बाद 28 मई 25 में एमराल्ड ट्रायंगल क्षेत्र में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत के बाद दोनों देशों के बीच फिर तनाव बढ़ गया। इस घटना के बाद एक रोचक वाकया हुआ। 28 मई को हुए टकराव के बाद तनाव कम करने के उद्देश्य से थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा ने कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन के साथ फोन पर बातचीत की। जिसमें पैतोंगटार्न ने थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद पर चर्चा की। इस बातचीत में उन्होंने कथित तौर पर थाई सेना के कमांडर की आलोचना की और हुन सेन को ह्यअंकलह्न कहकर संबोधित किया। इस बात को थाईलैंड में अपमानजनक और ह्यराष्ट्र के सम्मानह्न के विरुद्ध मानते हुए इसे प्रधानमंत्री पद की नैतिकता का उल्लंघन माना गया और 1 जुलाई को थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को

बीबिपुरः एक गांव की कहानी, जो अब किताबों में पढ़ाई जाएगी

किसी स्वस्थ आदमी का अस्वस्थ होना व्यक्ति, उसके परिवार, सगे-सम्बन्धी और परिजन और मित्र सभी के लिए पीड़ादायी होता है और जीवन की स्वाभाविक गति में ठहराव आ जाता है । तीव्र सामाजिक परिवर्तन के दौर में लगातार बदलाव आ रहे हैं और युवा पीढ़ी इनसे कई तरह प्रभावित हो रही है। उच्च शिक्षा के परिसरों में आत्म हत्या, मानसिक शोषण और अस्वास्थ्य की दुर्घटनाएं लगातार सुनाई पड़ रही हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा का बीबिपुर गांव अब देशभर के छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। सीबीएसई बोर्ड ने इसकी सामाजिक क्रांति की कहानी कक्षा आठवीं के पाठ्यक्रम में शामिल की है। 'बेटी के नाम नेमप्लेट', 'लाडो सरोवर', खुले में शौच से मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे प्रयासों ने इसे एक मॉडल गांव बनाया। पूर्व सरपंच प्रह्लाद डांगरा के नेतृत्व में यह गांव सोच और समाज दोनों बदलने में सफल रहा। बीबिपुर अब सिर्फ एक गांव नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के लिए एक आशा की किरण और बदलाव का प्रतीक बन चुका है।

कभी एक सामान्य-सा गांव और आज देशभर के बच्चों के लिए प्रेरणा- हरियाणा का बीबिपुर गांव अब सिर्फ नक्शे पर मौजूद एक बिंदु नहीं रहा, बल्कि सामाजिक बदलाव और विकास का जीवंत प्रतीक बन चुका है। इतना ही नहीं, अब बीबिपुर गांव की यह अनूठी कहानी कक्षा आठवीं के छात्रों को भी पढ़ाई जाएगी। क्त्रए बोर्ड ने इसे अपने सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। यह न केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, बल्कि पूरे ग्रामीण भारत के लिए एक संदेश भी है-परिवर्तन संभव है, अगर सोच बदले। बदलाव की शुरूआतः एक बीज से विशाल वटवृक्षबीबिपुर गांव, हरियाणा के जींद जिले में स्थित है। यह वही राज्य है, जहां लिंगानुपात के असंतुलन, बाल विवाह और सामाजिक भेदभाव जैसे मुद्दे दशकों तक चर्चा का विषय रहे हैं। लेकिन इसी हरियाणा की मिट्टी से उभरा बीबिपुर, जिसने इन सभी धारणाओं को तोड़कर नई मिसाल कायम की। वर्ष 2010 में गांव के पूर्व सरपंच प्रह्लाद डांगरा ने एक ऐसी पहल की शुरूआत की, जो आगे चलकर सामाजिक क्रांति में बदल गई। उनका सपना था – एक ऐसा गांव, जहां बेटी को सम्मान मिले, जल-संरक्षण हो, महिलाएं सशक्त हों, और समाज खुले में शौच से मुक्त हो। नेमप्लेट पर 'लाडो' का नामबीबिपुर गांव की सबसे चर्चित और क्रांतिकारी पहल रही- ₹बेटी के नाम नेमप्लेट₹। यह विचार बेहद सरल, मगर सामाजिक रूप से बेहद प्रभावशाली था। आज तक अधिकांश घरों की पहचान पुरुष सदस्य के नाम से होती थी, लेकिन बीबिपुर में घरों की पहचान बेटियों के नाम से शुरू हुई। इस पहल ने सिर्फ एक संकेत बदला नहीं, बल्कि सोच बदल दी। बेटियों को घर का गौरव मानने की दिशा में यह पहला साहसी कदम था। गांव के सैकड़ों घरों में बेटियों के नाम की तख्तियां लगीं और एक नई सामाजिक चेतना जागी। लाडो सरोवरः बेटियों के नाम जल-स्त्रोतगांव में 'लाडो सरोवर' की स्थापना सिर्फ जल संचयन का प्रयास नहीं था, बल्कि यह उस सोच का सम्मान था जो बेटियों को प्रकृति के साथ जोड़ती है। यह एक प्रतीक बन गया- जीवन देने वाले जल और जीवन की जननी ह्यबेटीह्न के बीच के अटूट संबंध का। लाडो सरोवर ने गांव को पर्यावरणीय जागरूकता की राह पर भी अग्रसर किया और जल संरक्षण की प्रेरणा दी। खुले में शौच से मुक्ति और स्वच्छता की अलखबीबिपुर की सबसे बड़ी जीत उस समय मानी गई जब उसने खुले में शौच से पूरी तरह मुक्ति पा ली। शौचालय निर्माण को प्राथमिकता दी गई और इसके पीछे शर्म नहीं, स्वास्थ्य और गरिमा की भावना को रखा गया। महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान मिला, बच्चों को बीमारियों से राहत, और गांव को नई पहचान। 'सोच बदली तो गांव बदला'प्रह्लाद डांगरा और उनकी टीम ने एक नारा दिया- ह्लसोच बदली तो गांव बदलाह्व। यह नारा महज शब्दों की जुगलबंदी नहीं थी, यह हर बीबिपुरवासी के दिल की आवाज थी। पुरुषों की मानसिकता में बदलाव आया, महिलाओं को निर्णय लेने का अधिकार मिला, बेटियों को शिक्षा और सम्मान मिला, और गांव की तस्वीर बदलने लगी। महिला पंचायतें और जागरूकता कार्यक्रमगांव में महिला ग्राम सभाओं का आयोजन हुआ, जहां महिलाएं खुलकर अपनी समस्याएं और सुझाव रखती थीं। यह लोकतंत्र का सच्चा रूप था, जिसमें आधी आबादी भी पूरी भागीदारी निभा रही थी। शराबबंदी, दहेज, बाल विवाह और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर खुलकर बहसें हुईं और समाधान निकाले गए। राष्ट्रीय स्तर पर पहचानबीबिपुर की इस सामाजिक जागरूकता की लहर ने जल्द ही मीडिया, प्रशासन और विभिन्न सामाजिक संगठनों का ध्यान खींचा। इस गांव को कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कार मिले। कई एनजीओ ने यहां मॉडल के रूप में अध्ययन शुरू किया। गांव के बदलाव को डॉक्यूमेंट्रीज और शोध-पत्रों में दर्ज किया गया। अब किताबों मेंः प्रेरणा का स्थायी स्थानआज जब सीबीएसई बोर्ड ने बीबिपुर गांव की इस कहानी को कक्षा आठवीं की किताब में शामिल किया है, तो यह किसी पुरस्कार से कम नहीं। यह कहानी अब देशभर के लाखों छात्र-छात्राओं को पढ़ाई जाएगी। वे जानेंगे कि बदलाव के लिए बड़े-बड़े भाषण या योजनाएं जरूरी नहीं होतीं – बस एक व्यक्ति की दृढ़ इच्छा शक्ति और सामाजिक भागीदारी ही काफी होती है। यह न केवल छात्रों को सामाजिक विज्ञान का पाठ पढ़ाएगी, बल्कि ₹समाज विज्ञान₹ का असली अर्थ भी समझाएगी। शिक्षा से बदलाव की वापसीबीबिपुर की कहानी बच्चों को यह सिखाएगी कि गांव का विकास केवल सड़क या इमारतों से नहीं होता, बल्कि विचारों से होता है। यह पाठ छात्रों में सामाजिक नेतृत्व, नागरिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच का बीज बोएगा। और यही तो शिक्षा का अंतिम उद्देश्य होता है- सोच में परिवर्तन।

क्या बाकी गांव सीखेंगे?बीबिपुर एक मॉडल है, परंतु यह अकेला नहीं होना चाहिए। आज देश के हजारों गांव सामाजिक कुरीतियों से जूझ रहे हैं। कहीं बेटियों की भ्रूण हत्या हो रही है, कहीं खुले में शौच आज भी आम है, कहीं शिक्षा का स्तर बेहद कमजोर है। ऐसे में बीबिपुर की कहानी एक आदर्श प्रस्तुत करती है – अगर वे कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? सरकारों को चाहिए कि ऐसे उदाहरणों को पाठ्यक्रम से आगे ले जाकर नीति-निर्माण का आधार बनाए। पंचायतों को प्रशिक्षित किया जाए, महिला नेतृत्व को बढ़ावा मिले, और गांवों में मूलभूत बदलाव लाने के लिए ऐसे मॉडल को स्थानीय भाषाओं में प्रचारित किया जाए।

बीबिपुर अब सिर्फ एक गांव नहीं, एक विचार हैबीबिपुर की सफलता की असली कुंजी सहभागिता, जागरूकता और नेतृत्व है। यह गांव बताता है कि असल क्रांति हथियारों से नहीं, सोच की धार से आती है। यह कहानी यह भी बताती है कि कोई गांव छोटा नहीं होता, अगर उसकी सोच बड़ी हो। आज जब बीबिपुर की कहानी स्कूलों में पढ़ाई जाएगी, तो वह सिर्फ एक पाठ नहीं होगी, बल्कि सपनों के बीज बोने वाली प्रेरणा होगी। हो सकता है, किसी बच्चे के मन में यह कहानी एक चिंगारी जला दे, जो कल किसी और गांव को रोशन कर दे। बीबिपुर अब सिर्फ एक स्थान नहीं, एक

शनिवार को दान करने से प्रसन्न होंगे शनि देव

शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। जोकि जातक के अच्छे-बुरे कर्मों के हिसाब से फल देते हैं। अगर आपकी कुंडली में शनि अशुभ है या फिर शनि की ढैय्या, साढ़ेसाती या फिर शनि की महादशा चल रही है। तो कुछ चीजों का दान करने से उसका प्रभाव कम होता है। शनिवार को कुछ चीजों का दान करने से व्यक्ति के पापों का क्षय दूर होता है और दुर्भाग्य दूर होता है। साथ ही सौभाग्य में वृद्धि होती है। शनिवार को दान-पुण्य करने से धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और घर में खुशहाली बढ़ती है। शनिवार को काली चीजों का दान करने से जातक की आय में वृद्धि होती है और व्यवसायिक स्थिरता आती है। इन उपायों को करने से न्यायिक मामलों में सफलता मिलती है। वहीं जो लोग मानसिक रोगों से परेशान हैं, या फिर अपने जीवन में किसी तरह का तनाव झेल रहे हैं। तो शनिवार को दान करने से बड़ी राहत मिलती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि शनिवार को किन चीजों का दान करने से शनिदेव को प्रसन्न कर सकते हैं। सुबह उठकर स्?नान के बाद ही इन चीजों का दान करना चाहिए।

काली उड़द की दाल का दान

शनिदेव को काली उड़द अत्यंत प्रिय मानी जाती है। शनिवार के दिन किसी गरीब, मजदूर, ब्राह्मण, या मंदिर के सेवक को काली उड़द का दान करने से शनि की अशुभ दशा, साढ़ेसाती, ढैय्या और कर्मफल की बाधाएं धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं। काली उड़द से जुड़े दान विशेषकर उन लोगों के लिए बहुत लाभकारी होते हैं जो मेहनत तो करते हैं परंतु अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, बार-बार नौकरी में रुकावट आती है या व्यापार ठप रहता है।

काले तिल का दान

शनि ग्रह से काले तिल का संबंध है। यह तिल पापों का क्षय करने के साथ आत्मिक शुद्धि का प्रतीक माना जाता है। शनिवार को ताजे काले तिल को जल में प्रवाहित करने या फिर किसी जरूरतमंद को भोजन या दान स्वरूप देना मानसिक तनाव को कम करता है। साथ ही बुरी नजर से रक्षा करता है और शनि के कोप को भी शांत करता है। ऐसे में जो लोग भय, अवसाद, मानसिक द्वंद या फिर निराशा से जूझ रहे हैं, उनको यह उपाय जरूर करना चाहिए। आप चाहें तो काले तिल और गुड़ के लड्डू का भी किसी जरूरतमंद का दान कर सकते हैं।

सरसों के तेल का दान

शनिदेव की उपासना में सरसों का तेल अत्यंत प्रभावशाली माना गया है। इसलिए शनिवार को लोहे की कटोरी में सरसों का तेल भरकर उसमें अपना चेहरा देखें। फिर वह किसी जरूरतमंद को दान दे दें या फिर पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाना भी शनि की वक्र दृष्टि को शांत करता है। यह उपाय उन लोगों के लिए लाभकारी होता है, जिनको कोर्ट-कचहरी के मामले, बार-बार अपमान या काम में असफलता का सामना करना पड़ता है। ऐसे में शनिवार को तेल का दान करने से सम्मान, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति में मजबूती आती है।

काले जूते या चप्पल का दान

शनिवार को काले रंग के जूते-चप्पल का दान करना भी शुभ माना जाता है। यह शनिदेव की कृपा प्राप्त करने का अत्यंत प्रभावशाली तरीका माना जाता है। जिन लोगों के जीवन में दुर्घटना, चोट, बार-बार संघर्ष और नौकरी में रुकावट या फिर यात्रा में विघ्न आते हैं। उन लोगों के लिए अत्यंत लाभदायक माना जाता है। श्रमिक या किसी जरूरतमंद को काले जूते का दान करने से शनि का प्रकोप कम होता है। साथ ही जीवन में स्थायित्व आता है। इस उपाय को करने से जीवन में बरकत आती है।

सेहत

मानसून में हेयर मास्क बनाते समय इन इंग्रीडिएंट्स का ना करें इस्तेमाल

बारिश के मौसम में आपके बाल अधिक देखभाल मांगते हैं। बारिश की बूंदे जब सीधे हमारे बालों व स्कैल्प के संपर्क में आती है तो इससे बालों में चिपचिपापन, उलझन व डैंड्रफ आदि की शिकायत शुरू हो जाती है। ऐसे में बालों की केयर करने के लिए हम सभी घरेलू उपाय खोजते हैं और तरह-तरह के हेयर मास्क बनाने लग जाते हैं। यकीनन बालों को पैम्पर करने के लिए घर पर मास्क बनाना एक अच्छा आइडिया है। लेकिन इस मास्क को बनाते समय आप किन इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं, यह भी बहुत अधिक मायने रखता है। चूंकि मानसून में हवा में नमी ज्यादा होती है, जिससे स्कैल्प पहले से ही सेंसिटिव हो जाता है। ऐसे में कई बार जो चीजें नॉर्मल दिनों में अच्छी होती हैं, वही इस मौसम में बालों के लिए गलत साबित होती हैं। गलत इंग्रीडिएंट्स का चयन करने से बालों में रूखापन व फंगल इंफेक्शन आदि की शिकायत हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही इंग्रीडिएंट्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको मानसून में हेयर मास्क बनाते समय इस्तेमाल करने से बचना चाहिए- अगर बारिश में आप दही को अपने हेयर मास्क में शामिल कर रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि वह बहुत खट्टा या फ्रिज से निकला ठंडा ना हो। बहुत खट्टा या ठंडा दही लगाने से स्कैल्प में डैंड्रफ बढ़ सकता है और सर्दी-जुकाम भी हो सकता है। साथ ही, बहुत ज्यादा मात्रा में दही लगाने से बाल चिपचिपे हो जाते हैं जो बारिश के मौसम में और परेशान कर सकता है। इसलिए, हमेशा ताजा और रूम टेम्परेचर वाला दही लगाओ और स्कैल्प पर बहुत ज्यादा दही लगाने से बचें। यूं तो एलोवेरा को स्किन और बालों दोनों के लिए काफी अच्छा माना जाता है। हालांकि, बारिश के नमी वाले मौसम में ज्यादा लगाने से स्कैल्प में खुजली या बिल्डअप हो सकता है। खासकर अगर आप मार्केट वाला जेल इस्तेमाल कर रही हैं तो इसमें मौजूद कैमिकल्स आपको परेशान कर सकते हैं। इसलिए, हमेशा घर के प्लांट का बिल्कुल नेचुरल वाला एलोवेरा ही यूज करो।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को एकजुट होकर प्रयास करना होगा : पूनम

संवाददाता

साहिबगंज:जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 29 जुलाई 2025 को संत जोसफ विद्यालय, साहिबगंज में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और कानूनी संरक्षण के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरूक बनाना था। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती पूनम कुमारी के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि हाल के दिनों में साहिबगंज जिले में बाल तस्करी की

घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है।जो अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह, बाल मजदूरी और शोषण जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को एकजुट होकर प्रयास करना होगा।कार्यक्रम में बच्चों को गुड टच-बैड टच बाल विवाह, बाल श्रम,बाल शोषण, पोक्सो एक्ट, नशा मुक्ति, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर, दत्तक ग्रहण, और किशोर न्याय अधिनियम से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषकर पोक्सो एक्ट की जानकारी देकर बच्चों को यह बताया गया कि किसी भी प्रकार के यौन शोषण के खिलाफ उन्हें कानूनी सहायता उपलब्ध है।बाल संरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि भारत में लड़कियों की विवाह योग्य न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़कों की 21 वर्ष निर्धारित है। इससे कम उम्र में किया गया विवाह गैरकानूनी है और इसके लिए सख्त सजा का प्रावधान है। बच्चों को बताया गया कि यदि वे किसी भी प्रकार की असुरक्षा महसूस करें तो चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर तुरंत संपर्क करें। साथ ही, वे नजदीकी पुलिस स्टेशन, बाल कल्याण समिति या जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी से भी सहायता ले सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण पर बल दिया गया। उन्हें आत्मनिर्भर बनने आत्मविश्वास से जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने और अपने अधिकारों को जानने और उपयोग करने की प्रेरणा दी गई।इस अवसर पर संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख श्रीमती चंदा कुमारी एवं श्रीमती शोभा कुमारी, बाल संरक्षण इकाई की कर्मी श्रीमती बिंदु कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के पर्यवेक्षक श्री अवधेश कुमार, केस वर्कर श्री संजीव कुमार सहित विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के मानसिक सामाजिक और कानूनी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।अंत में सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और इस तरह के जागरूकता अभियानों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्नत कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित करते हुए धान की रोपाई श्री विधि पद्धति से की

संवाददाता

साहिबगंज:पतना प्रखंड के मंगलाडीह गांव में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन अंतर्गत श्री विधि से धान की रोपाई, आधुनिक कृषि तकनीक का बढ़ावा मिल रहा है।राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन योजना के तहत पतना प्रखंड के ग्राम मंगलाडीह में उन्नत कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित करते हुए धान की रोपाई श्री विधि पद्धति से की गई। यह रोपाई पंचायत समिति सदस्य बाबूजी सोरेन के खेत में की गई। जिसमें धान की उन्नत किस्म ईआर64 का प्रयोग किया गया।श्री विधि के माध्यम से धान की खेती न केवल जल संरक्षण में सहायक होती है, बल्कि इसमें कम बीज की आवश्यकता होती है और उत्पादन अधिक प्राप्त होता है। इस तकनीक को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग द्वारा सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि किसान कम लागत में अधिक

लाभ कमा सकें।इस अवसर पर ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक सहायक तकनीकी प्रबंधक ,कृषक मित्र एवं आसपास के कई प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे। खेत पर प्रत्यक्ष प्रदर्शन के माध्यम से किसानों को श्री विधि की बारीकियों की जानकारी दी गई।जैसे कि कतार में रोपाई, पौधों के बीच पर्याप्त दूरीसमुचित जल प्रबंधन और जैविक खादों के उपयोग आदि।बीटीएम और एटीएम ने किसानों को बताया कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य किसानों की आय को दोगुना करना है और इसके लिए उन्हें वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना होगा। इस प्रकार के प्रदर्शन कार्यक्रम किसानों में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें उन्नत कृषि पद्धतियों से जोड़ने की दिशा में कारगर सिद्ध हो रहे हैं।कृषकों ने भी इस पहल की सराहना की और आशा व्यक्त की कि इस पद्धति से उन्हें बेहतर उत्पादन प्राप्त होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल आधुनिक तकनीक का प्रसार हुआ।बल्कि किसानों को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी उठाया गया।

जहर के प्रभाव से गढ़वा की विवाहिता की मौत

मेदिनीनगर : सतबरवा थाना क्षेत्र के तुम्बागड़ा स्थित नवजीवन अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार की शाम में गढ़वा थाना क्षेत्र के तिलदाग गिजना गांव निवासी अभय शंकर तिवारी की 35 वर्षीय पत्नी अंजू तिवारी की मौत हो गई है। सतबरवा थाना की पुलिस शव को कब्जे में लेकर मेदिनीनगर के एमआरएमसीएच में मंगलवार को पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के परिजनों ने बताया कि शनिवार की सुबह में शरीर में जहर फैलने के कारण महिला की हालत गंभीर हो गई। बाद में उसे गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने रेफर कर दिया गया। परिजनों ने उसे तुंबागाड़ा के नवजीवन अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के क्रम में सोमवार की शाम में उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई सह पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के ओढनार गांव निवासी ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि उनकी बहन अंजू तिवारी का अपने पति अभय शंकर तिवारी से रिश्ते कड़वे हो गए थे। उनकी बहन, अपने पति के अनैतिक संबंधों का हमेशा विरोध करती थी। उन्हें आशंका है कि उनके बहनोई ने ही जहर देकर उनकी बहन की हत्या कर दी है। ओमप्रकाश तिवारी ने अपने बहनोई पर दहेज के लिए भी प्रताड़ित करने का भी आरोप मढ़ा है। साथ ही कहा कि उनकी बहन ने एक ही पूर्व ही अपनी चाचा से हत्या कर दिए जाने की आशंका जताते हुए ओड़नार ले चलने का अनुरोध की थी परंतु रात होने के कारण उनके चाचा, अपने भाई से मामले की जानकारी नहीं दे सके।

बाइक एंबुलेंस सेवा का उद्देश्य दुर्गम और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में त्वरित चिकित्सा सहायता पहुंचाना : सर्जन

संवाददाता

साहिबगंज:सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान द्वारा शिवगादी धाम में संचालित बाइक एंबुलेंस सेवा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एंबुलेंस की स्थिति उपकरणों की उपलब्धता और चालक की तत्परता की बारीकी से समीक्षा की।

बाइक एंबुलेंस सेवा का उद्देश्य दुर्गम और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में त्वरित प्राथमिक चिकित्सा सहायता पहुंचाना है। विशेषकर शिवगादी जैसे धार्मिक स्थलों पर तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए यह सेवा अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है।सिविल सर्जन ने सेवा की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता और तत्परता को दशार्ता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाइक एंबुलेंस की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और इसकी उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके।

नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट:प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बरहेट संथाली पुराना पंचायत भवन में ऐडीसी क्लब के द्वारा विश्व आदिवासी दिवस को लेकर एडीसी क्लब के अध्यक्ष राजाराम मरांडी के अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिनांक 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर बरहेट हाईस्कूल मैदान के सभागार में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा।उक्त कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाना हैं। मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु हेंब्रम,प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी ज़िला संगठन सचिव छवि हेंब्रम,जिप सदस्य जेठा मुर्मू,पुसा टुडू,मुखिया रमेश मुर्मू,लुखिराम हेंब्रम,सामयल मुर्मू,सुनील सोरेन,शिव किस्कू,बाबुधन टुडू,शाम हेंब्रम,मरांग हेंब्रम,सुनील किस्कू सहित अन्य मौजूद थे।

विधायक कक्ष के माध्यम से लोगों की समस्याओं अवगत हुए विधायक प्रतिनिधि बरकत खान

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा: प्रत्येक मंगलवार की भांति बरहरवा प्रखंड के विभिन्न पंचायत से आए आम जनों और अली अहमद, नजमा बीवी,लकी रजवाड़,अब्दुल मियां, शमसुद्दीन मियां,अब्दुल रहीम,परनि देवी, लकी मन्ना,आयशा खातून,जान मोहम्मद,रहमत मियां,बहादुर किस्कू,सुशील मुर्मू,सिराज सेख,सुकुर सेख,कौशल्या देवी,इत्यादि की समस्याओं से रूबरू हुए कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान।ग्रामीण क्षेत्र एवं नगर पंचायत से आए पुरुष एवं महिलाओं ने विधायक कक्ष में

पीएम एवं अबुआ आवास,संबंधित शिकायत,पेंशन संबंधित शिकायत राशन कार्ड न बनने की शिकायत,जमीन से संबंधित शिकायत,मनरेगा संबंधित,जाति आय निवास से संबंधित शिकायत,आधार अपडेट से संबंधित,बैंक संबंधित शिकायत भूमि विवाद,तीन पहिया वाहन टोटो एवं ऑटो के लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन संबंधित शिकायत अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी संबंधित शिकायत विधायक प्रतिनिधि से की। जनता दरबार में आऐ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के हर व्यक्ति की बात को गंभीरता से सुना।कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार के माध्यम से जिले के दूर-दराज इलाकों से आए दर्जनों लोगों की समस्याओं को सुनकर तत्काल संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित किया गया।समाधान हेतु यथोचित कार्रवाई के निर्देश।वहीं बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या 13 के कौशल्या देवी के पति मोतीलाल ने पीएम आवास की दूसरी किस्त ना मिलने की गुहार लगाई विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कार्यपालक पदाधिकारी बरहरवा को वातार्लाप कर जल्द से जल्द दूसरी किस्त का भुगतान करने का आग्रह किया।वही टोटो और ऑटो के लाईसेंस एवं रजिस्ट्रेशन संबंधित समस्या पर पहुंचे ग्रामीणों को बरकत खान ने बताया की विधायक मोहतरमा निसात आलम की पहल पर बरहरवा प्रखंड मुख्यालय में 1 अगस्त से 2 अगस्त तक कैंप लगाकर जिला परिवहन विभाग द्वारा तीन पहिए वाहनों का लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन डॉक्युमेंट्स जमा किए जाएंगे।मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,नेहाल अख्तर,विकास सिंह,आफताब आलम, सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

डीडीसी से मिलकर लिखित आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की

साहिबगंज :सदर प्रखंड क्षेत्र के ग्राम छोटी कोदरजन्ना,पंचायत गंगा प्रसाद पश्चिम में अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास में पंचायत कर्मी पिथो हेम्ब्रम पंचायत सचिव रोजगार सेवक सुबोध कुमार,आवास मित्र सुजीता कुमारी, प्रखंड कर्मी आवास कॉर्डिनेटर वंदना कुमारी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर राजेश कुमार के द्वारा गलत तरीके से एवं अयोग्य लाभुक का चयन कर 10 हजार रुपए से लेकर 20 हजार रुपए तक की राशि की उगाही की जाती हैं।जहां इस संबंध में पीड़ित परिवार के लोगों ने कई बार प्रखंड से लेकर जिला के संबंधित पदाधिकारी को लिखित आवेदन दिया गया है ।मगर अब तक इस दिशा में इन कर्मियों के खिलाफ किसी भी तरह की कोई कानूनी कार्यवाही नहीं हुई है।वही इस पंचायत में लाभुक द्वारा बिना बनाए गए दूसरे का आवास दिखाकर जियो टैग कर राशि को अन्य लोगों के खाते में भेजकर निकाल लिया गया है।जहां पीड़ित परिवार में रूमनी बीबी पति शेख सूपन,सिकन्दर सिंह पिता राम पुकार सिंह,बीबी जहाँरा पति मो.एकरामुल एवं शेख जानी पिता शेख रसीद ने मंगलवार को विकास भवन कार्यालय में डीडीसी से मिलकर लिखित आवेदन देते हुए इस दिशा में कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।वही डीडीसी ने जाँच कर करवाई करने की बात कही।

पीड़िता ने रुपया वापस दिलाने और सदर अस्पताल में ऑपरेशन कराने की लगाई गुहार

साहिबगंज :सदर अस्पताल में ऑपरेशन के नाम पर पैसा लेने और ऑपरेशन नहीं कर भगा देने का आरोप लगा है।पीड़िता ने इसकी शिकायत डीसी से की है.बरहेट संथाली की पीड़िता विधवा सुकुम देवी ने डीसी को दिए आवेदन में बताया कि बच्चे दानी में प्रॉब्लम के चलते उसे पेट में दर्द रहता था।डॉक्टर ने ऑपरेशन की सलाह दी।इस बीच पता चला कि सदर अस्पताल साहिबगंज में 25 जुलाई को एनजीओ की तरफ से फ्री में ओप्रेशन होगा।25 जुलाई के 10 बजे सुबह सदर अस्पताल पहुंची तो आधार और आयुष्मान कार्ड लेकर अंगुठा लिया गया।इसके बाद सदर अस्पताल में ही खून टेस्ट किया और कहा गया कि अल्ट्रासाउंड बाहर से कराकर आना होगा।क्योंकि सदर अस्पताल साहिबगंज में अल्ट्रासाउंड कराने वाले नहीं है।तब झुमावती होस्पिटल से अल्ट्रासाउंड कराकर आयी।खून टेस्ट और अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट जमा किए,तब करीब 4 बजे शाम को ऑपरेशन करने के लिए बेड पर लिटा दिया और 15,000 हाजार रूपया मांगने लगा। मजबूरन रूपया देना पड़ा।तब ऑपरेशन के लिए सारा प्रक्रिया चालू किया।इतने में बाहर भाई और जीजा रूपया के सम्बन्ध में बोलने लगे।हल्ला गुल्ला होने पर उसने बेड से उठा दिया गया और उसका ऑपरेशन नहीं किया।इसके बाद उसे सदर अस्पताल से भगा दिया गया। लिए हुए 15,000 हाजार रूपया भी वापस नहीं किया गया। 25 जुलाई जितना लोगों का ऑपरेशन किया सभी से 15,000 हाजार रुपया लिया गया।पीड़िता ने रुपया वापस दिलाने और सदर अस्पताल में ऑपरेशन कराने की गुहार लगाई है।वही उपायुक्त ने मामले की जाँच कर करवाई करने की बात कही।

सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग में आयोजित किया गया विदाई समारोह

दुमका : मंगलवार को सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में सत्र 2023–25 के छात्र–छात्राओं के लिए एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति–रिवाजों के अनुसार ह्ललोटा–पानीह्ल की रस्म, दीप प्रज्वलन और वीर सिदो कान्हू मुर्मू की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिससे समूचा वातावरण उमंग और उत्साह से भर गया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष दीपक कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा, ₹अब से आपके जीवन का एक नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है। यह वह समय है, जब जीवन की चुनौतियों का सामना आपको किताबों या कक्षा की चौखट से बाहर निकलकर स्वयं के अनुभवों और मेहनत के बल पर करना होगा।₹ उन्होंने विद्यार्थियों से बेहतर इंसान बनने की सलाह देते हुए कहा कि विभाग की शुभकामनाएँ सदैव उनके साथ रहेंगी।
वहीं विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ बिनोद मुर्मू ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, ₹असफलता से घबराने की आवश्यकता नहीं है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयास और कठिन परिश्रम ही सफलता की कुंजी हैं। अपने लक्ष्य को लेकर समर्पण और लगन बनाए रखें, सफलता निश्चित ही आपके कदम चूमेगी। अन्य शिक्षक डॉ ज्ञान चंद, टीपू कुमार एवं अमृत होरो ने भी अपने संबोधन में छात्रों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और उन्हें आने वाले जीवन की चुनौतियों का डटकर सामना करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं ने भी मंच पर आकर अपने अनुभव साझा किए और शिक्षकों तथा विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया। इस विदाई समारोह में जागेश्वर सोरेन, नेहा प्रवीण, आदित्य चिराग, रतन राज, सुषमा, अनिमा, मुशर्रफ कमाल, क्रिस्टीना, बिमला, बबली, शफिया सिद्दीका, आनंद, अभिषेक, सुलेमान, विजय, संदीप, दिनेश, अन्नू टुडू, लीना प्रिया, संध्या, सुभान, जनार्धन, काजल समेत कई विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। विदाई के इस अवसर पर विद्यार्थियों की आँखों में भविष्य की उम्मीदों के साथ–साथ विदाई की भावनात्मक झलक भी देखी गई।

हम पार्टी की पलामू इकाई ने किया सांगठनिक बैठक

मेदिनीनगर : हम पार्टी की पलामू इकाई ने जिले के रामगढ़ प्रखंड के करमा गांव में सांगठनिक बैठक किया। बैठक में पार्टी के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। आदिम जनजाति लोगों के बीच पार्टी पदाधिकारियों ने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के सिद्धांत और उद्देश्यों को बताया। नए सदस्य भी जोड़े गए। पदाधिकारियों ने पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया। जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने कहा कि हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर भारत के आम जनमानस की पार्टी है और जनता के आशीर्वाद से सड़क से लेकर संसद तक पार्टी का अस्तित्व कायम हो गया है। स्थापना के 10 वर्षों के अल्प समय में हम पार्टी सेक्युलर भारत की प्रमुख पार्टियों में शुमार हो गई है। जिले में सड़क,पानी , बिजली ,सहित बुनियादी सुविधाओं की बहाली के लिए पार्टी शुरूआती दौर से संघर्ष कर रही है। कम समय में पार्टी पलामू जिले की प्रमुख पार्टी के रूप में स्थापित हो चुकी है । जिला महासचिव भरत द्विवेदी ने कहा कि हम पार्टी सेक्युलर आने वाले समय में भारत की सबसे मजबूत पार्टी बनकर उभरेगी क्योंकि आम आदमी तेजी से इस पार्टी से जुड़ रहा है और लोगों में पार्टी के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है।

पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य को लेकर किया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम

संवाददाता

दुमका : संताल परगना महाविद्यालय, दुमका के बी.एड. संकाय द्वारा बारिश के बीच भी एक प्रेरणादायक और सराहनीय पहल के तहत पौधरोपण कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. के. पी. यादव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों और शिक्षकों की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, बल्कि यह भी प्रमाणित करता है कि प्रकृति के साथ जुड़ाव किसी मौसम का मोहताज नहीं होता। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के पी यादव ने एक छायादार पौधा रोपित कर किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, ₹पौधे न केवल पृथ्वी का श्रृंगार हैं, बल्कि हमारे भविष्य की सांसें भी हैं। पर्यावरण संरक्षण आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है।₹ इस अवसर पर एन एस एस इकाई 12 के

कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रंजीत कुमार दुबे ने सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि प्रकृति और समाज के प्रति भी जागरूक होना चाहिए। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना झ ₹शिक्षा का सर्वांगीण विकास₹ झ के अंतर्गत आयोजित किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता का सम्मान और हरित जीवनशैली के प्रति चेतना जागृत करना था। लगातार बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन की पृष्ठभूमि में ऐसे कार्यक्रम विशेष महत्त्व रखते हैं। बारिश के बीच छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था। जलभराव और कीचड़ की परवाह किए बिना उन्होंने बड़े उत्साह के साथ कॉलेज परिसर में पौधे लगाए। छात्रों ने आम, नीम, अशोक, पीपल, जामुन और अर्जुन जैसे औषधीय और छायादार वृक्षों का चयन किया। कार्यक्रम में बी.एड. के लगभग 80 से अधिक छात्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कुछ छात्रों ने पारंपरिक स्लोगन जैसे ₹पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ₹ और ₹हरियाली है जीवन का आधार₹ को पोस्टरों और बैनरों पर उकेरकर अपने विचार प्रकट किए। छात्रा सुप्रिया मरांडी ने कहा, ₹पहली बार मुझे लगा कि प्रकृति से जुड़े रहना कितनी आत्मिक शांति देता है। बारिश में मिट्टी के स्पर्श के साथ पौधा लगाना एक अद्भुत अनुभव था।₹ इसी तरह छात्र मनोज कुमार मंडल ने कहा, ₹पाठ्यक्रम से परे इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल सामाजिक चेतना बढ़ाती हैं बल्कि भावनात्मक रूप से भी समृद्ध करती हैं।₹ कार्यक्रम के सफल आयोजन में कॉलेज प्रशासन, बी.एड. संकाय के शिक्षकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी और ठरर इकाई का विशेष योगदान रहा। डॉ. रंजीत कुमार दुबे ने कहा कि यह कार्यक्रम आने वाले महीनों में कॉलेज परिसर को हरित और स्वच्छ बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कॉलेज कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. कुमार सौरभ ने कहा कि बारिश के बावजूद छात्रों का उत्साह, शिक्षकों की प्रेरणा और प्रशासन का समर्पण यह दशार्ता है कि संताल परगना महाविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि प्रकृति एवं समाज के प्रति जागरूक नागरिकों के निर्माण का केंद्र है। यह पौधरोपण कार्यक्रम निश्चय ही भविष्य में कॉलेज के हरित दृष्टिकोण को नई दिशा देगा।

जान्हवी ने पोस्ट में किया खुलासा

फैंस के साथ जल्द 52 सेल्फी शेयर करेंगी

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने आज बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। यह तस्वीरें उन्होंने यात्रा के दौरान फ्लाइट से शेयर की हैं। इसी के साथ उन्होंने खुलासा किया कि उनके पास 52 सेल्फी और हैं पोस्ट करने के लिए। जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म परम सुंदरी को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 25 जुलाई को रिलीज होनी थी, मगर अब यह पोस्टपोन हो गई है। इस बीच जान्हवी कपूर ने अपने हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैंस का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने अपनी दिलकश फोटोज शेयर करते हुए कुछ ऐसा लिखा है, जिसने यूजर्स की उत्सुकता बढ़ा दी है।

कैप्शन से बढ़ाई फैंस की उत्सुकता

जान्हवी कपूर ने आज बुधवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फ्लाइट से अपनी फोटोज शेयर की हैं, जिनमें खुली जुल्फों में वे बेहद प्यारी लग रही हैं। इसके साथ जान्हवी ने कैप्शन लिखा है, पोस्ट करने के लिए 52 और सेल्फी थीं, लेकिन उनमें बहुत सारी स्नीक पीक थे, इसलिए मैं कंट्रोल कर रही हूं और आप लोगों को असली चीज देखने के लिए इंतजार करना होगा।

डीडीएलजे में शाहरुख और अनुपम खेर ने मिलकर गढ़ा था एक डायलॉग

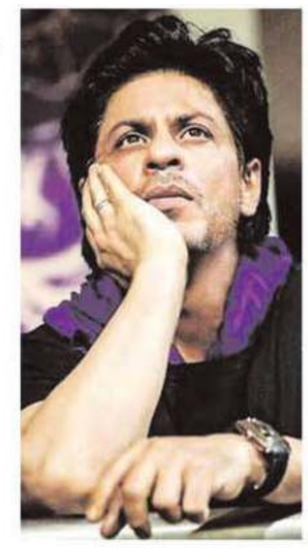

फिल्म निर्माता- अभिनेता अनुपम खेर ने साल 1995 की ब्लॉकबस्टर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे से जुड़ा एक मजेदार किस्सा सुनाया। अनुपम ने बताया कि मशहूर डायलॉग ओ पोची, ओ कोका, ओ बॉबी, ओ लोला को अभिनेता शाहरुख खान ने चुटकियों में रच डाला था। अभिनेता अनुपम खेर ने बातचीत में कूल डैड किरदार को लेकर राय जाहिर की। उन्होंने कहा, कूल डैड का किरदार निभाना मेरे पिताजी जी को सम्मान देने जैसा है। मेरे निभाए हर एक कूल डैड किरदार का कनेक्शन मेरे पिताजी को समर्पित है और वह उन सब में फिट बैठते हैं। अभिनेता ने अपने पिता को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया। अनुपम खेर से जब पूछा गया कि उनका मशहूर डायलॉग ओ पोची, ओ कोका, ओ बॉबी, ओ लोला कैसे बना था, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, तुरंत! फिल्म की शूटिंग के दौरान मैंने शाहरुख से कहा, चलो कुछ ऐसा करते हैं जिसे लोग याद रखें। खास बात है कि शाहरुख इम्प्रोवाइजेशन (बिना किसी योजना के तुरंत कुछ बेहतर बनाना) में माहिर हैं।

वह हमेशा नए-नए आइडियाज आजमाने के लिए तैयार रहते हैं। अनुपम ने बताया कि उनकी यह लाइन हिट बन गई थी। उन्होंने कहा, यह लाइन एक तरह से कल्ट बन गई थी, यह मेरे लिए बहुत खास है।

ऑनलाइन बेटिंग मामले में राणा दग्गुबाती की बढ़ी मुश्किलें

ईडी के सामने नहीं हुए पेश

तेलंगाना में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब सितारों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। सुपरस्टार राणा दग्गुबाती इस मामले में बुधवार को पूछताछ के लिए ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा जारी समन के बाद पेश होने वाले थे, लेकिन वो नहीं आए। अब ईडी ने उन्हें 11 अगस्त को दोबारा बुलाया है।

क्या है मामला?

इस मामले में सिर्फ राणा दग्गुबाती ही नहीं, बल्कि टॉलीवुड और बॉलीवुड के कई चर्चित नामों को जांच के दायरे में लाया गया है। ईडी ने इस हफ्ते चार सितारों को समन जारी किया है जिसमें अभिनेता प्रकाश राज को 30 जुलाई, विजय देवरकोंडा को 6 अगस्त और लक्ष्मी मंचु को 13 अगस्त को तलब किया गया है। ईडी की जांच का फोकस इन कलाकारों द्वारा कथित तौर पर कुछ ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स का प्रचार करने पर है। इन ऐप्स पर गैरकानूनी सट्टेबाजी के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने का आरोप है। प्रमोशन के बहाने हुआ लाखों का लेन-देन! सूत्रों के मुताबिक, कुछ नामचीन अभिनेताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को इन ऐप्स को प्रमोट करने के लिए मोटी रकम दी गई थी। हालांकि इन सितारों का दावा है कि उन्हें इन प्लेटफॉर्म्स की वास्तविक गतिविधियों की जानकारी नहीं थी और वो सिर्फ ब्रांड प्रमोशन समझकर इससे जुड़े थे। ईडी ने ये मामला तेलंगाना पुलिस की ओर से दर्ज की गई पांच प्राथमिकियों के आधार पर शुरू किया है। एजेंसी अब इन कलाकारों के बयान दर्ज करेगी, जिसे मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत कानूनी दस्तावेज माना जाएगा

सोशल मीडिया ट्रेंड पर शामिल हुई, आरती सिंह बनाया मजेदार वीडियो

टेलीविजन अभिनेत्री आरती सिंह भले ही स्क्रीन पर अब देखने को नहीं मिलती लेकिन वह अपने फैंस के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने बुधवार को एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह डांस करती नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तड़पाओगे तड़पा लो गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में आरती पीले रंग की साड़ी पहनी हुई है। गाने के बोल के साथ शानदार एक्सप्रेशन देते हुए वह डांस करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा,तड़पाओगे? तड़पालो! फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें हार्ट, फायर, और स्माइली इमोजी शेयर कर रहे हैं। बता दें, यह गाना कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है, जिसको फॉलो करते हुए अभिनेत्री रुपाली गांगुली, सपना चौधरी और भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने भी वीडियो बनाई थी और लाखों व्यूज पाए थे। यह गाना साल 1957 में आई बरखा का है। जिसे लता मंगेशकर ने गाया है, इसके बोल राजिंदर कृष्ण ने दिए हैं। वहीं, यह फिल्म थाई पिरांधल वाझी पिराक्कुम का रीमेक थी। गाने का संगीत काफी मधुर है, जिसे चित्रगुप्त ने तैयार किया था। गाने की तरह फिल्म को भी लोगों ने काफी पसंद किया था।

'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' को पेश करेंगे अनुराग, वेनिस फिल्म फेस्टिवल में होगा प्रीमियर

बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप 'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के साथ बतौर प्रस्तुतकर्ता जुड़ गए हैं। अनुराग 82वें वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म को अपना समर्थन दे रहे हैं।

निर्देशक अनुपर्णा रॉय इस फिल्म से अपनी शुरुआत कर ही हैं। उनकी पहली ही निर्देशित फिल्म 82वें वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में वर्ल्ड प्रीमियर करने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म है। यह महोत्सव इस साल 27 अगस्त से 6 सितंबर तक इटली के वेनिस लीडो में आयोजित होगा। मुंबई में दो प्रवासी महिलाओं के बीच बनते रिश्तों पर आधारित 'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' को ओरिजोंटी सेक्शन में प्रदर्शित किया जाएगा। यह एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है जिसमें नए ट्रेंड और मुद्दों को उजागर करने वाली फिल्मों के लिए डेब्युडेंट्स, नई प्रतिभाओं और स्वतंत्र फीचर फिल्मों व कम चर्चित सिनेमा पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। नाज शेख और सुमी बघेल स्टारर इस फिल्म का निर्माण बिभांशु राय, रोमिल मोदी और रंजन सिंह ने किया है। इस फिल्म को प्रजेंट करने पर अनुराग कश्यप का कहना है कि मैंने हमेशा नई प्रतिभाओं का समर्थन करने में विश्वास किया है, खासकर उन लोगों का जो कुछ अलग कहना चाहते हैं। अपने विचारों और विश्वासों से पहले से तक मानकों को चुनौती देना चाहते हैं। रंजन और मैं पिछले कई साल से ऐसी कई फिल्मों से जुड़े रहे हैं और ऐसी नई प्रतिभाओं को लगातार सामने आते देखना काफी अच्छा है।

मेरे लिए सबसे पहले राइटर और डायरेक्टर होते हैं...

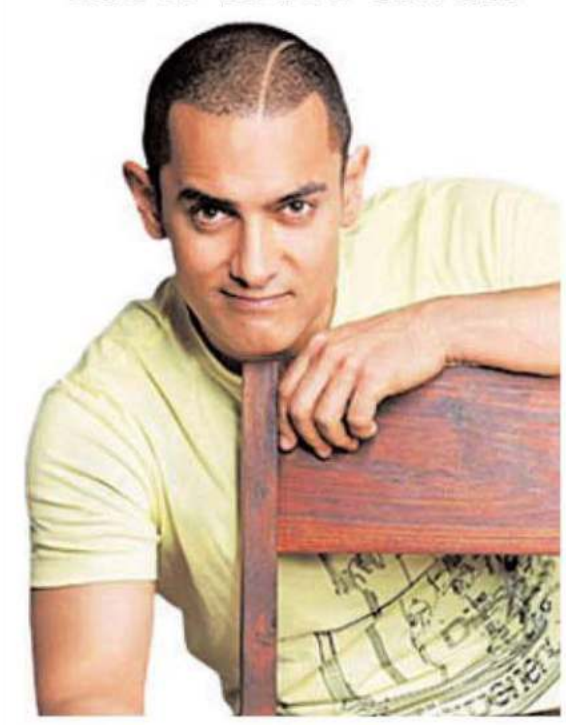

आमिर खान अपनी हालिया फिल्म सितारे जमीन पर से एक बार फिर साबित कर चुके हैं कि उन्हें पब्लिक की नब्ज पहचानना बखूबी आता है। एक खास बातचीत में आमिर ने अपनी भविष्य की प्राथमिकताओं पर खुलकर बात की...

सितारे जमीन पर आपसे पहले दूसरे एक्टर्स को भी ऑफर की गई थी क्या?

यह फिल्म कई एक्टर्स को ऑफर की गई थी और सबको स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई। आखिरकार फरहान अख्तर को फाइनल किया गया, और तमिल वर्जन के लिए शिवकार्तिकेयन को चुना गया क्योंकि डायरेक्टर प्रसन्ना तमिल बैकग्राउंड से हैं। हमने सोचा कि एक ही स्क्रिप्ट पर हिंदी और तमिल दोनों वर्जन बनाएं। सब फाइनल हो गया था। मैं बतौर प्रोड्यूसर स्क्रिप्ट के फाइनल ड्राफ्ट पर काम कर रहा था। पहले ही दिन, जब लेखक दिव्य निधि शर्मा स्क्रिप्ट पढ़ रहे थे और हम उस पर चर्चा कर रहे थे, तभी मेरे मन में ख्याल आया- यार, तू ही क्यों नहीं कर रहा ये फिल्म ?

लोकेश कनगराज के साथ वाली फिल्म में क्या ब्लडी एक्शन करेंगे?

फिल्म की जो जरूरत है, मैं वह करूंगा। लोकेश एक रोमांचक डायरेक्टर हैं, जिनके साथ काम करना अच्छा है। मगर जो मेरा पर्सनल टेस्ट है, मुझे खून खराबे वाला वायलेंस देखना पसंद नहीं है और शायद बड़े दर्शक वर्ग को भी एक्शन पसंद है लेकिन ज्याद खून खराबा पसंद नहीं। मैंने एनिमल नहीं देखी, मगर वह लोगों को अच्छी लगी तो ही चली होगी। मुझे ब्लडी एक्शन पसंद नहीं, मगर मेरे लिए स्क्रिप्ट क्या है, वह मायने रखता है।

महिला कोपा अमेरिका 2025: ब्राजील ने उरुग्वे को 5-1 से रौंदा, फाइनल में किया प्रवेश

2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक का टिकट भी किया पक्का

एजेंसी

क्विटो : कोपा अमेरिका महिला फुटबॉल टूनार्मेंट 2025 के सेमीफाइनल में ब्राजील ने मंगलवार को उरुग्वे को 5-1 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही ब्राजील ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। मैच में ब्राजील की ओर से अमांडा गुटिरेस ने दो गोल दागे और शानदार प्रदर्शन किया। शनिवार को होने वाले फाइनल में ब्राजील का मुकाबला कोलंबिया से होगा। यह 2022 के फाइनल की पुनरावृत्ति होगी, जिसमें ब्राजील ने जीत दर्ज कर अपना आठवां खिताब हासिल किया था। 24 वर्षीय गुटिरेस ने कहा, हम बहुत खुश हैं, यह मेरा पहला फाइनल है। यह हमारे कोच के साथ की गई कड़ी मेहनत का नतीजा है। कोलंबिया एक मजबूत टीम है, लेकिन हम ट्रॉफी जीतने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं।" गुटिरेस ने मैच की शुरूआत में 11वें मिनट में मार्ता की शानदार क्रॉस पर हेडर के जरिए पहला गोल किया। दो मिनट बाद ही जिओ गारबेलिनी ने ढीली पड़ी गेंद को नेट में डालते हुए ब्राजील की बढ़त 2-0 कर दी। उरुग्वे की ओर से बेलन एक्विनो का एक शॉट क्रॉसबार से टकराया और गोल में तब्दील नहीं हो सका। इसके बाद 27वें मिनट में मार्ता ने पेनल्टी के जरिए टूनार्मेंट का अपना पहला गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। उरुग्वे को 51वें मिनट में ब्राजील की खिलाड़ी ईसा हास के आत्मघाती गोल से थोड़ी राहत मिली, लेकिन 65वें मिनट में गुटिरेस ने फ्री किक पर शानदार गोल कर ब्राजील की बढ़त फिर से तीन गोल की कर दी। मैच के अंतिम क्षणों में सब्स्टीट्यूट डुडिन्हा ने 86वें मिनट में गोल कर स्कोर 5-1 किया और ब्राजील की जीत की कहानी को मुकम्मल कर दिया।

कनाडियन ओपन 2025: एक महीने बाद कोर्ट पर लौटे अलेक्जेंडर ज्वेरेव की विजयी वापसी

एजेंसी

टोरंटो : कनाडियन ओपन 2025 (एटीपी टोरंटो मास्टर्स) में टॉप सीड जर्मन खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एक महीने बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मंगलवार को खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन को 7-6 (8/6), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बना ली। विंबलडन के पहले दौर में हारने के बाद ज्वेरेव ने मानसिक थकावट के कारण खेल से ब्रेक लिया था। इस दौरान उन्होंने राफेल नडाल की मल्लोर्का अकादमी का दौरा भी किया, जहां उन्होंने सलाह और करियर से

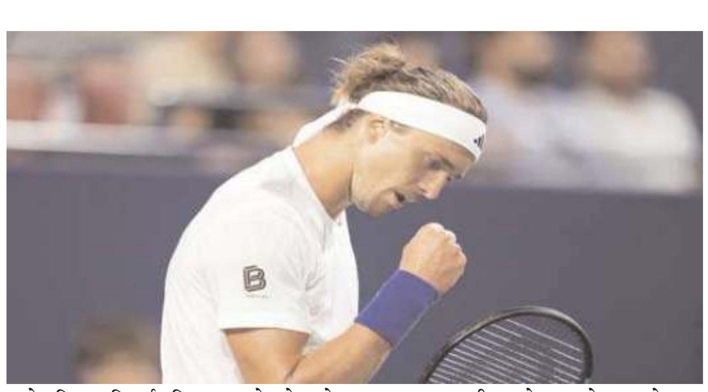

जुड़े विचार-विमर्श किए। पहले सेट के टाईब्रेकर में वह 4-1 से पीछे थे, लेकिन शानदार वापसी करते हुए सेट अपने नाम किया। मैच के दौरान उन्होंने एक 52 शॉट्स की लंबी रैली भी खेली। जीत के बाद अब उनके करियर में कुल 499 मैच जीत हो चुकी हैं। ज्वेरेव ने मैच के बाद कहा, "कभी-कभी केवल जीत ही मायने रखती है। यह सबसे सुंदर मैच नहीं था, लेकिन जीत जरूरी थी।" अब उनका सामना इटली के माटेओ अर्नाल्डी से होगा, जिन्होंने त्रिस्टन स्कूलकेट को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया। अन्य मुकाबलों में तीसरे वरीय लोरेन्जो मुसेत्ती और पांचवें वरीय होल्गर रून ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज की। मुसेत्ती ने ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-1 से हराया। रून ने फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरिकरड को 7-6 (9/7), 6-3 से मात दी। आठवें वरीय कैस्पर रूड ने रोमन सफियुल्लिन को 6-3, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। पूर्व चैंपियन और 10वें वरीय दानील मेदवेदेव ने डलिबोर स्व्रिसना को 7-6 (7/3), 6-4 से हराया। स्व्रिसना ने इस मैच में 40 से अधिक अनफोर्स्ड एरर्स किए। 11वें वरीय कारेन खाचानोव ने अर्जेंटीना के जुआन पाब्लो फिकोविच को 6-4, 6-2 से हराया। कनाडाई खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव की घरेलू टूनार्मेंट में खराब फॉर्म जारी रही। उन्हें अमेरिका के लर्नर टिएन के खिलाफ 7-6 (7/4), 7-5 से हार का सामना करना पड़ा। शापोवालोव की यह घरेलू धरती पर लगातार हार का सिलसिला 2019 से जारी है।

उत्तराखंड : धार्मिक स्थलों के लिए पर्यटन विभाग बनाएगा मास्टर प्लान

एजेंसी

देहरादून : मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद उत्तराखंड के धार्मिक स्थलों के लिए मास्टर प्लान बनाने के आदेश जारी कर पर्यटन विभाग को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई। पर्यटन विभाग मंदिरों के लिए मास्टर प्लान को बनाकर सरकार प्रस्तुत करेगा उसके बाद उस पर एक्शन लिया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव आरके सुधांशु ने सभी धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण, प्रवेश व निकास व्यवस्था सहित अन्य जरूरी सुविधाएं जुटाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करने के आदेश दिए। इस दिशा में जल्द से जल्द कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए। सरकार ने राज्य के पर्यटन विभाग को सभीधार्मिक स्थलों के लिए मास्टर प्लान बनाने की

जिम्मेदारी दी गई है। इस संबंध में अधिसूचना जारी की दी है। इसमें खासकर ऐसे तीर्थ स्थलों को शामिल किया जाएगा, जहां ज्यादा तीर्थ यात्री आते हैं। मास्टर प्लान के निर्माण और इसके क्रियान्वयन में दोनों मंडलों के मंडलायुक्तों का विशेष तौर पर सहयोग लेने के लिए कहा गया है। साथ ही स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि यदि तीर्थ स्थलों के मार्गों पर अवैध अतिक्रमण हुआ है तो उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाए।इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में प्रति वर्ष करोड़ों तीर्थ यात्री आते हैं। इसलिए तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी तीर्थ स्थलों का मास्टर प्लान बनाया जाएगा। तीर्थ स्थलों के आसपास जनसुविधाएं विकसित करते हुए यात्रा को ज्यादा सुव्यवस्थित किया जाएगा। मास्टर प्लान इन बिंदुओं पर होगा फोकस भीड़ नियंत्रण व्यवस्था, स्थल पर धारण क्षमता का विकास, प्रवेश एवं निकास मार्ग अलग-अलग होना, प्रतीक्षा के लिए अतिरिक्त स्थान, आपातकालीन निकासी व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, प्राथमिक उपचार, सुगठित सूचना व मार्गदर्शन प्रणाली, पार्किंग व्यवस्था और पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनानी। दरअसल, गत 27 जुलाई को हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर के सीढ़ी मार्ग पर भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री धामी ने मौका मुआयना कर स्थिति का जायजा लिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उत्तराखंड के प्रमुख तीर्थस्थलों पर आने वाले यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए विस्तृत मास्टर प्लान बनाने के निर्देश दिए थे।

केले की खेती पर 2 अगस्त को वसई में संगोष्ठी

मुंबई : पालघर जिले में केले की खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2 अगस्त को वसई के मर्सेस स्थित सहजीवन हॉल में विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। यह संगोष्ठी सुख-संपत्ति संवर्धन कोऑपरेटिव सोसायटी और जॉन अल्मेडा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में होगी। संगोष्ठी में केले की खेती के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और जैन इरिगेशन के उपाध्यक्ष डॉ. के.बी. पाटील वैज्ञानिक पद्धतियों से केले की खेती, निर्यात की प्रक्रिया व बाजार की मांग के बारे में किसानों का मार्गदर्शन करेंगे। संस्था के अध्यक्ष ओनिल अल्मेडा ने बताया कि वसई कई वर्षों से केले की खेती के लिए प्रसिद्ध है। हालांकि, हाल के दिनों में रोग के कारण केले की खेती का क्षेत्रफल कम हो गया है। अब, भारतीय केले को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल गई है। वसई, वाडा, दहानू, पालघर, वानगांव, तलासरी, मोखाडा, जव्हार और आसपास के क्षेत्रों में निर्यात-गुणवत्ता वाले केले की खेती के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। निर्यात के लिए भारतीय केले की भारी मांग है। ऐसे में यह संगोष्ठी किसानों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हो सकती है। अल्मेडा ने कहा कि कई जगह भूमि परती और अनुपजाऊ रहती है। ऐसी भूमि पर केले की खेती करके किसान अच्छी वार्षिक आय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने पालघर जिले के सभी किसानों से अपील की है ।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में मोक्षित कॉपोरेशन के ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी

दुर्ग/रायपुर : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एवं आर्थिक अपराध अन्वेषण विंग (ईओडब्ल्यू) की संयुक्त टीम ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने बुधवार को मोक्षित कॉपोरेशन के दुर्ग स्थित 3 आवासीय परिसरों और उनके कार्यालय पर छापा मारा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इस बड़ी कार्रवाई में 24 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। छापे की कार्रवाई के दौरान ईडी की टीम के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी बड़ी संख्या में सुरक्षा के लिहाज से मौके पर मौजूद हैं। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) में हुए 650 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटाले से जुड़ी बताई जा रही है। इसमें पहले भी कई बार कार्रवाई हो चुकी है। छह माह पहले ईओडब्ल्यू और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने इस मामले में संयुक्त छापेमारी की थी। इसके अलावा, 27 जनवरी 2025 को भी मोक्षित कॉपोरेशन और शांतिलाल व शशांक चोपड़ा के गंजपारा स्थित घर और कार्यालय पर ईओडब्ल्यू-एसीबी की टीम ने दस्तावेजों की जांच की थी।

ईडी और ईओडब्ल्यू की ओर से इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

बंगाल के दंपति पर साइबर ठगी के 900 केस, बिहार के दरभंगा से हुई गिरफ्तारी

कोलकाता : देशभर में साइबर ठगी के करीब 900 मामलों में नामजद एक पति-पत्नी को कूचबिहार पुलिस ने बिहार के दरभंगा से गिरफ्तार किया है। इस दंपति पर दर्जनों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साइबर ठगी के करीब 900 से अधिक केस दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, ये लोग अब तक 48 लाख 15 हजार की ठगी कर चुके हैं। जिला पुलिस की ओर से बुधवार सुबह जारी बयान में बताया गया है कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शुभजीत बल्लव और रिया हल्दार बल्लव के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से नदिया जिले के राणाघाट के रहने वाले हैं। यह जोड़ा पहले भी मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर थाना पुलिस द्वारा पकड़ा गया था लेकिन जमानत पर बाहर आने के बाद इन्होंने दोबारा साइबर ठगी शुरू कर दी। कूचबिहार जिला पुलिस अधीक्षक दुतिमान भट्टाचार्य ने बताया कि साहेबगंज और तूफानगंज थानों में दर्ज दो मामलों की जांच के दौरान यह दंपति बिहार के दरभंगा के एक होटल में ठहरा पाया गया। उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर कूचबिहार लाया गया। पुलिस की जांच में पता चला कि यह दंपति सीमावर्ती इलाकों में बीएसएफ आउटपोस्ट्स के सामने स्थित कस्टमर सर्विस प्वाइंट्स (सीएसपी) को निशाना बनाकर लोगों से धोखाधड़ी करता था। आरोपित खुद को बीएसएफ अधिकारी, कंपनी कमांडर या निरीक्षक बताकर लोगों को फोन करते थे और कहते थे कि कुछ पैसे भेजने पर उन्हें नकद या कमीशन में लौटाया जाएगा। जब लोग बीएसएफ कैंप पहुंचते, तब उन्हें ठगी का अहसास होता। जब पुलिस ने शुभजीत के मोबाइल नंबर को नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स पोर्टल पर जांचा तो सामने आया कि सिर्फ साल 2024 में 877 एफआईआर में उसका नंबर दर्ज है, जबकि 2025 में अब तक 68 एफआईआर हो चुकी हैं। इनमें से 19 मामले सिर्फ कूचबिहार जिले में दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 183, राजस्थान में 107, तेलंगाना में 77, महाराष्ट्र में 60, दिल्ली में 55, बिहार में 54, तमिलनाडु में 49 और पश्चिम बंगाल में 43 मामले दर्ज हैं। इसके अलावा 258 केस देश के विभिन्न केंद्रशासित प्रदेशों में भी दर्ज हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस ठगी रैकेट से और कौन-कौन लोग जुड़े हैं। साथ ही, यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस दंपति ने कितने फर्जी पहचान पत्र और खातों का इस्तेमाल किया। पुलिस का मानना है कि यह ठगी नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ था और इसके तार अन्य राज्यों के अपराधियों से भी जुड़े हो सकते हैं।

निकायों को बेहतर और संसाधन संपन्न बनाया जाना प्राथमिकता: अनुनय झा

एजेंसी

हरदोई : नगर निकायों की ही स्थिति से जिले की छवि बनती-बिगड़ती है। निकायों में साफ-सफाई और सुविधा और सहूलियत बेहतर होने से लोगों को भी आसानी रहती है। शहर साफ-सुथरे दिखते ही नहीं है, बीमारियों पर भी विराम लगता है। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि निकायों को बेहतर और संसाधन संपन्न बनाया जाना उनकी प्राथमिकता है। सभी 13 निकायों के अधिशासी अधिकारियों से जरूरत के संसाधन, वाहन और लोगों की सुविधा-सहूयिलत से जुड़ जलापूर्ति आदि के कामों की कार्य योजना मांगी गई है। उन्होंने बताया कि काम पड़ने पर अब निकाय के जिम्मेदार संसाधनों का रोना नहीं रो पाएंगे। करीब 35 करोड़ रुपये से जिले के निकायों को संसाधन संपन्न बनाया जाएगा। इसके लिए जरूरत के उपकरण, वाहनों की खरीदारी के साथ ही जलापूर्ति, पाइपलाइन और नलकूपों की स्थापना कराई जाएगी। निकाय के जिम्मेदारों को

संसाधनों की आवश्यकता और प्राथमिकता के कामों की सूची तैयार कराने की जिम्मेदारी दी गई है। निकायों में जरूरत पड़ने पर संसाधनों की कमी आड़े आ जाती है। इससे चंद मिनट में होने वाला काम घंटों में भी नहीं हो पाता है। प्रशासन ने निकायों को संसाधन संपन्न बनाने की रणनीति बनाई है। निकायों में जलभराव, साफ-सफाई, जलापूर्ति आदि की समस्या के समाधान के लिए जरूरी उपकरणों की खरीदारी कराई जाएगी। प्रशासन ने यह खरीदारी और काम कराने के लिए 15वें वित्त आयोग के टाइड फंड मंद में मिले रुपये से कार्ययोजना तलब की है। डीएम ने बताया कि 15वें वित्त आयोग के टाइड फंड की मद से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, जलापूर्ति, विभिन्न प्रकार के उपकरणों और वाहनों की खरीदारी, मिनी जेसीबी, इलेक्ट्रिक उपकरण की खरीदारी और नलकूपों की स्थापना प्राथमिकता पर कराए जाने की व्यवस्था दी गई है। सभी निकायों के अधिशासी अधिकारियों से कार्ययोजना तलब की गई है। नगर निकायों में नाला-नालियों का आपस में जुड़ाव न होने से पानी निकासी की समस्या होती है। अधिशासी अधिकारियों को ऐसे नाला-नालियों को चिन्हित कराते हुए उनको आपस में जोड़ने के लिए भी कार्ययोजना और एस्टीमेट तैयार कराने की जिम्मेदारी दी गई है। इससे बरसात के समय ही नहीं घरों और सार्वजनिक स्थानों से निकलने वाले पानी की सुचारू निकासी होती रहे।

बिहार में आशा कार्यकताओं का मानदेय बढ़ाकर 3000 हजार रुपये किया गया, मुख्यमंत्री ने की घोषणा

एजेंसी

पटना : बिहार की नीतीश कुमार की सरकार लगातार जन सरोकार के काम को आगे बढ़ा रही है। इसी कड़ी में बुधवार सुबह मुख्यमंत्री ने आशा कार्यकताओं का मानदेय 3000 रुपये करने की घोषणा की है। आज सुबह मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट कर लिखा कि आशा कार्यकताओं को अब 1 हजार रुपये की जगह 3 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही ममता कार्यकताओं को प्रति प्रसव 300 रुपये की जगह 600 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी, इससे उनका मनोबल और बढ़ेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य

सेवाएं और मजबूत होंगी। मुख्यमंत्री ने लिखा कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से हमलोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में आशा तथा ममता कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे ध्यान में रखते हुए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुद्दढ़ीकरण में आशा एवं ममता कार्यकताओं के अहम योगदान को सम्मान देते हुए उनकी मानदेय राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है।

लुधियाना में कार ने बाइक को मारी टक्कर, एक कश्मीरी छात्र की मौत और दो घायल

चंडीगढ़ : पंजाब के लुधियाना में मंगलवार देर रात सड़क हादसे में एक कश्मीरी छात्र की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार की बाइक से टक्कर के कारण यह हादसा हुआ है। घायलों का डीएमसी अस्पताल में उपचार चल रहा है। लुधियाना पुलिस के अनुसार हादसा उस वक्त हुआ जब तीनों युवक बाइक से कहीं जा रहे थे और तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े। घायलों की पहचान जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा निवासी जाहिद अहमद और सोपोर निवासी मोमिन अहमद की रूप में हुई है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, मृतक की पहचान जम्मू-कश्मीर के बारामूला के पट्टन निवासी मुदारिस के रूप में हुई है। मृतक के एक साथी ने बताया कि मुदासिर सरस्वती कॉलेज में बीएससी नर्सिंग-4 का स्टूडेंट था। हंबड़ा पुलिस प्रवक्ता के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है। आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। आरोपित कार चालक की तलाश में कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी का माहौल बना रहा। वहीं, एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली होती रही, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ

जॉन्स 200 अंक की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,370.86 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.38 प्रतिशत टूट कर 21,098.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.14 प्रतिशत उछल कर 44,697.21 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,136.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,857.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 247.01 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की छलांग लगा कर 24,217.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,829 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,215.24 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 124.45 अंक यानी 0.49 प्रतिशत लुढ़क कर 25,400 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत टूट कर 7,577.81 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 40,688 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 203.46 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,404.98 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,260.47 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,239.98 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.52 प्रतिशत उछल कर 3,628.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

कोरबा : कुआं धंसने से पति-पत्नी और बेटा दबे, रेस्क्यू ऑपरेशन दूसरे दिन जारी

कोरबा : छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में भारी बारिश के कारण एक कुआं धंस गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 3 सदस्य मलबे में दब गए। मंगलवार की इस घटना के बाद रात ढाई बजे तक एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया लेकिन बारिश और अंधेरा ज्यादा होने के कारण इसे रोकना पड़ा। टीम आज बुधवार को फिर से ऑपरेशन में जुटी है। मामला जटगा चौकी क्षेत्र के बनवार गांव का है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, छोटू राम श्रीवास (65), पत्नी कंचन श्रीवास (53) और बेटा गोविंद श्रीवास (30) कुएं में लगे मोटर पंप को निकालने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान अचानक पूरा कुआं धंस गया। 2 महीने पहले ही कुआं खुदवाया गया था। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन की टीम आज बुधवार को फिर से ऑपरेशन में जुटी है।

किसानों ने बिजली विभाग और पुलिस पर लगाए आरोप

हरिद्वार : खेतों में लगे ट्रांसफार्मर चोरी होने की बढ़ती घटनाओं के संबंध में भारतीय किसान यूनियन (रोड) कार्यकर्ता विद्युत विभाग और पुलिस के अधिकारियों से मिले। उन्होंने विद्युत विभाग कर्मियों पर मिलीभगत का और पुलिस पर गश्त न करने का आरोप लगाया। रुड़की विद्युत विभाग अधीक्षण अभियंता अमित कुमार के कार्यालय किसानों के साथ पहुंचे भारतीय किसान यूनियन रोड के राष्ट्रीय अध्यक्ष पदम सिंह रोड ने बताया कि ढंडेरी ख्वाजीपुर में खेतों में लगे ट्रांसफार्मर और ट्यूबवेल मोटर लगातार चोरी हो रहे हैं। रोड के अनुसार अब तक तीन ट्रांसफार्मर और 15 से अधिक मोटर चोरी हो चुके हैं। आरोप लगाया कि इन घटनाओं में विद्युत विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत है, क्योंकि उनके द्वारा विद्युत लाईन में फाल्ट बताते हुए कई घंटे तक शटडाउन लेते हैं और फिर वारदात हो जाती है। वहीं मामले में अधीक्षण अभियंता ने जांच कराकर कारवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद भाकियू पदाधिकारी एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल से मिले। किसानों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में गश्त न होने के कारण चोरी की वारदाते बढ़ती जा रही हैं। वहीं एसपी देहात ने कहा कि कांवड़ मेले में पुलिस वहां की व्यवस्था में लगी थी लेकिन अब क्षेत्र में गश्त बढ़ाकर चोरी की वारदातों को रोका जाएगा और हो चुकी घटनाओं का खुलासा करेंगे। इस अवसर पर वेदपाल सिंह, कृष्ण पाल, बिजेंदर, सुशील कुमार, संत कुमार, अशोक कुमार, अनुज कुमार, अक्षय, ऋषि सेवाराम, सोनू शर्मा, हरपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर हैं उन्होंने बुधवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की और इसके उपरांत उन्होंने जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

कैनिंग स्टेशन पर महिला रेलकर्मी से मारपीट, गला घोंटने की कोशिश का आरोप

कोलकाता : टिकट नहीं होने पर फाइन मांगना एक महिला टिकट परीक्षक के लिए जानलेवा साबित हुआ। दक्षिण पूर्व रेलवे के सियालदह दक्षिण खंड के कैनिंग स्टेशन पर बुधवार सुबह लगभग आठ बजे एक महिला यात्री ने कथित तौर पर एक महिला रेलकर्मी से मारपीट की और उसकी पहचान पत्र की डोरी से गला घोंटने की कोशिश की। रेल सूत्रों के अनुसार, पीड़ित टिकट परीक्षक का नाम तनुश्री घड़ुई है। वह रोज की तरह स्टेशन पर यात्रियों के टिकट की जांच कर रही थीं। तभी एक महिला यात्री से टिकट मांगे जाने पर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि महिला यात्री ने बिना किसी वजह के बहस शुरू की, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। तनुश्री घायल हो गईं और इसके बाद भी हमला नहीं रुका। आरोप है कि आरोपित महिला ने तनुश्री के पहचान पत्र की डोरी से उनका गला घोंटने की कोशिश की। मौके पर अन्य रेलकर्मी और आरपीएफ जवान पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। घटना से हतप्रभ तनुश्री को तत्काल बचाया गया। हालांकि वारदात के बाद आरोपित महिला मौके से फरार होने में सफल रही। रेल अधिकारियों का कहना है कि टिकट जांच के दौरान यात्रियों से बहस या मारपीट की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन इस बार मामला बेहद गंभीर और डराने वाला रहा। ? राजकीय रेल पुलिस में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई है।

ठाणे में 4 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त, दो गिरफ्तार

मुंबई : ठाणे जिले के मुंब्रा इलाके में ठाणे क्राइम ब्रांच के एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने चार करोड़ रुपये की ड्रग्स समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में ठाणे पुलिस मुख्य ड्रग तस्कर की तलाश कर रही है। ठाणे पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि ठाणे एंटी-नारकोटिक्स सेल को गुप्त सूचना मिली थी कि एक डिलीवरी बॉय मुंब्रा और शील डायघर के पास ड्रग्स देने आ रहा है। इस पर ठाणे पुलिस ने जाल बिछाकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से दो किलो से ज्यादा ड्रग्स जब्त की। पुलिस ने बताया कि बरामद ड्रग्स की कीमत करीब 4 करोड़ रुपये आंकी गई है। इन दोनों आरोपितों में से एक इरफान अमानुल्लाह शेख (36) पनवेल का रहने वाला है और डिलीवरी बॉय का काम करता है। दूसरा आरोपित शाहरुख मेवाशी उर्फ रिजवान (28) शील डायघर में रहता है और मैकेनिक का काम करता है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया और कोर्ट ने दोनों को 4 दिनों तक की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

मध्य प्रदेश में मूसलधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

भोपाल : मध्य प्रदेश में लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) और दो ट्रफ लाइनों की सक्रियता के कारण भारी बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को अशोकनगर, श्योपुर, विदिशा सहित कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। सड़कों पर पानी भर गया और रास्ते बंद हो गए। स्थिति को देखते हुए बुधवार को भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर और अशोकनगर में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। बारिश के कारण गुना जिले में हालात इतने बिगड़ गए कि राहत एवं बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाना पड़ा। यहां के बमोरी इलाके के कलोरा गांव में डैम का वेस्ट वियर टूट गया, जिससे डैम ओवरफ्लो हो गया और आसपास के गांवों में पानी भरने की स्थिति बन गई। सेना और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य शुरू कर दिया है। कई निचली बस?तियों में चार फिट तक पानी भर गया है। यहां चचोड़ा क्षेत्र में सबसे अधिक बारिश हुई है। वहीं, म?याना रेलवे अंडर ब्रिज पर बुधवार को भी पानी भरा हुआ है। जिसके कारण गुना-अशोक नगर मार्ग बंद है। भिंड जिले में लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण सिंध, क्वारी और चंबल नदियां बुधवार को भी उफान पर हैं ।

विदिशा के ग्यारसपुर में दो बच्चे पानी के तेज बहाव में बह गए, हालांकि उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। वहीं, विदिशा के नहरयाई गांव में एक कच्चा मकान गिरने से 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। इटारसी में तवा डैम के 9 गेट खोलकर 1 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। नर्मदा नदी पर बने ओंकारेश?वर बांध के 14 गेट खोल दिए गए हैं। भोपाल में कोलांस नदी के उफान के चलते बड़ा तालाब तेजी से भर रहा है और शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई है। तवा डैम के पांच गेट 7-7 फीट तक खोल दिए गए।मुरैना में एक सरकारी स्कूल की इमारत का हिस्सा ढह गया। दमोह में ब्यारमा नदी के उफान पर आने से एक दंपति गांव में फंस गया, जिन्हें एसडीआरएफ ने सुरक्षित बाहर निकाला। रायसेन के कई कस?बों में पानी भर गया है। शिवपुरी के अधिकांश हिस?से में जलभराव की स?थि?ति बनी हुई है। राजगढ़ जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश से अजनार, नेवज और गाडगंगा सहित अन्य नदियां उफान पर है, वहीं मोहनपुरा डेम का लगातार जलस्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते मंगलवार शाम 17 में से डेम के छह गेट खोले गए।दमोह के ग्राम हिनौती, बर्रट, कोटा, मुआरी, रमगढा, नया गांव, कुंवरपुर, ईमलिया, जमुनिया, सलैया सहित अनेक ग्रामों में बाढ का पानी प्रवेश कर गया है। अनेक ग्रामों का सड़क मार्ग से संपर्क टूट गया है जिसके कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। मध्य प्रदेश में 16 जून को मानसून ने प्रवेश किया था। तब से अब तक औसतन 26.2 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 9.3 इंच अधिक है। राज्य में औसत सामान्य वर्षा 37 इंच मानी जाती है। राज्य के 8 जिलोंझ ग्वालियर, शिवपुरी, अशोकनगर, मुरैना, श्योपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में इस सीजन में औसत से ज्यादा बारिश हो चुकी है। टीकमगढ़ और निवाड़ी में अब तक 42 इंच बारिश दर्ज की गई है, जबकि इंदौर और उज्जैन में सामान्य से काफी कम पानी गिरा है। मंगलवार को प्रदेश के 32 जिलों में बारिश हुई। रायसेन में महज 9 घंटे में 4.5 इंच पानी बरस गया, जबकि भोपाल में 1.9 इंच, शाजापुर में 1.7 इंच, नरसिंहपुर और सागर में 1.2 इंच, और नर्मदापुरम, धार, ग्वालियर व पचमढ़ी में लगभग 1 इंच वर्षा दर्ज की गई।

न्यूज IN ब्रीफ

बेतला में मनाया गया 16वां विश्व बाघ दिवस

बिनय मिश्रा : बेतला (लातेहार) : पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला नेशनल पार्क में मंगलवार को 16वां अंतरराष्ट्रीय विश्व व्याघ्र दिवस भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, विधायक रामचंद्र सिंह, वन विभाग के अधिकारी केएसआर नटेश सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया।

इस मौके पर बाघ संरक्षण, मानव-बाघ संघर्ष, और पुनर्वास योजनाओं पर विस्तार से मंथन हुआ। वित्त मंत्री किशोर ने कहा, ḫजब तक बाघ सुरक्षित रहेंगे, जंगल जीवित रहेंगे।ḫ उन्होंने इसे केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

डीआईजी नौशाद आलम ने पर्यावरण संरक्षण को सभी की साझा जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि जलवायु संकट और घटता जलस्तर चेतावनी है कि हमें समय रहते जागना होगा। बाघ संरक्षण के साथ हमें प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना चाहिए।

पर्यटन मंत्री सोनू ने बेतला को झारखंड का पर्यटन गौरव बताया और कहा कि सरकार इसे वैश्विक नक्शे पर उभारने को प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में वन्यजीव विशेषज्ञों, स्कूली बच्चों, वनकर्मियों व ग्रामीणों ने भी भाग लिया। बाघ संरक्षण पर संवाद के साथ सभी ने जनभागीदारी की शपथ ली। बेतला पार्क, जैव विविधता का केंद्र है, जहां बाघ, हाथी, तेंदुआ, गौर, चीतल और अनेक पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं।

पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने उपायुक्त से की शिष्टाचार मुलाकात

सिमडेगा : पूर्व मंत्री सह एचपीसीएल के स्वतंत्र निदेशक विमला प्रधान आज उपायुक्त कंचन सिंह से मुलाकात की इस दौरान पूर्व मंत्री ने क्षेत्र की जन समस्याओं की ओर उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया और उसके समाधान करने की बात कही,पूर्व मंत्री ने कृषि विभाग द्वारा बांटे जा रहे कृषि संयंत्र वास्तविक किसानों तक पहुंचे यह सुनिश्चित किया जाए, साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे किसानों आदिवासियों के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को सही रूप से धरातल में उतारने का आग्रह किया एवं क्षेत्र में नल जल योजना की स्थिति पूरी तरह जिले में फेल है इस पर ध्यान आकृष्ट कराया साथ ही केलाघाघ रोड में जल जमाव से राहगीरों को होने वाली परेशानी को जल्द दूर करने की बात कही।

पूर्व मंत्री ने एनएसी में सीएनटी एक्ट का उल्लंघन होने पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए उपायुक्त से कहा कि इस पर प्रशासन पड़ताल करें क्योंकि ठअउ के अनेक वार्डों में धड़ल्ले से सीएनटी एक्ट का उल्लंघन कर मकान एवं आबादी बढ़ रही है मौके पर दुर्गविजय सिंहदेव अनूप प्रसाद भी मौजूद थे

आदिवासी युवाओं ने श्रमदान कर सुधारा जर्जर सड़क, 10 साल से नहीं हुई मरम्मत

किनकेल (सिमडेगा) : चट्टीटोली-बाकेनडीपा से किनकेल पंचायत होते हुए बैंक, बाजार और चौराडांड़ तक जाने वाला मुख्य रास्ता पिछले करीब 10 वर्षों से जर्जर स्थिति में है। इस मार्ग के खराब होने के कारण ग्रामीणों को पंचायत, तहसील, कचहरी, बाजार और बैंक जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। आए दिन इस मार्ग पर दुर्घटनाएँ भी हो रही थीं।

ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय नेता वोट लेने तो आते हैं, लेकिन जीतने के बाद ग्रामीण क्षेत्र में दिखाई तक नहीं देते और गांव की समस्याओं के समाधान के लिए कोई नहीं आता भी नहीं है। इस मार्ग पर सप्ताह में दो दिन लगने वाले हाट-बाजार के दौरान हजारों ग्रामीण मोटरसाइकल , ऑटो साइकिल और पैदल आवाजाही करते हैं, पैदल चलने वालों को बहुत ही ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चौराडांड़ का पुल भी धस गया

ग्रामीणों ने बताया कि चौराडांड़ के पास बना पुल भी इस बरसात में धस गया है, जिससे आवागमन और खतरनाक हो गया है।

गर्मी के मौसम में वर्तमान विधायक फंड से इस मार्ग का मुरमीकरण किया गया था, लेकिन इस बार की बारिश में पूरी सड़क धुल गई और स्थिति फिर से जर्जर हो गई। और रोड पूरा कीचड़ से भर जाता है।

ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए चट्टीटोली और बाकेनडीपा के आदिवासी युवाओं ने श्रमदान कर सड़क पर मोरम मिट्टी डालकर अस्थायी रूप से मुरमीकरण किया। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द स्थायी रूप से सड़क और पुल मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

श्रमदान करने वाले प्रमुख युवा

दुबराज मांझी, नीलांबर मांझी, विराज मांझी, विक्रम मांझी, अनमोल किंडो, रमेश मांझी, सचिन मांझी, भिखराम मांझी, बिजाधर मांझी और दीपंकर मांझी।

जन शिकायत निवारण दिवस में जनसमस्याओं पर त्वरित कार्रवाई, कई मामलों का ऑन स्पॉट हुआ समाधान

संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभाकक्ष, गुमला में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। इस जन संवाद कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए सैकड़ों नागरिकों ने भाग लिया और अपनी व्यथा, समस्याएं एवं आवश्यकताओं को सीधे उपायुक्त के समक्ष रखा।

जन शिकायत निवारण दिवस में नागरिकों की समस्याएं राशन, आवास, स्वास्थ्य, नगर निकाय व्यवस्था, सड़क निर्माण, नशा मुक्ति, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा आदि विषयों से जुड़ी थीं, जिनमें कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया गया, जबकि शेष मामलों पर त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जल-जमाव की स्थिति से नगर परिषद क्षेत्र के नागरिकों की शिकायत पर तत्काल निर्देश

गुमला नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 16, कामटोली के नागरिकों ने उपायुक्त को बताया कि उनके क्षेत्र में बारिश के दौरान घरों में पानी घुस आता है, जिससे वे लगातार कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। बताया गया कि क्षेत्र में बनी एक स्थायी पुलिया के दोनों छोर बंद होने से वर्षा जल का निकास अवरुद्ध हो जाता है, जिससे जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और स्थानीय लोग संकट में आ जाते हैं।

इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने नगर परिषद गुमला के कार्यपालक पदाधिकारी को तत्काल कॉल कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया और समस्या के शीघ्र समाधान का निर्देश दिया। साथ ही नगर परिषद को औपचारिक पत्र भी भेजा गया ताकि समस्या का स्थायी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

थैलेसीमिया पीड़ित बालक के इलाज में आ रही बाधा पर उपायुक्त ने दिया समाधान का आश्वासन

हरगड़ा की निवासी आभा मिंज ने बताया कि उनका बेटा थैलेसीमिया से पीड़ित है, जिसका इलाज नियमित रूप से सदर अस्पताल में चल रहा है और उसे हर महीने रक्त चढ़ाना पड़ता है। परंतु उनके पारिवारिक राशन कार्ड में न तो उनका नाम है और न ही पुत्र का, जिससे बीमार बच्चे के इलाज में बार-बार अड़चन आती है और स्वास्थ्य लाभ लेने में कठिनाई हो रही है।

इस पर उपायुक्त ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए स्वयं इस प्रकरण को संज्ञान में लिया तथा आवश्यक कारवाई हेतु संबंधियों को निर्देश दिए, उन्होंने आवेदिका को आश्वासन दिया कि समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा, ताकि भविष्य में इलाज में कोई बाधा न आए।

राशन डीलर की अनुपलब्धता से परेशान ग्रामीणों ने मांगी नई दुकान

घाघरा प्रखंड के बेलगाड़ा पंचायत अंतर्गत शिवराजपुर गांव की महिलाओं ने बताया कि गांव में कोई राशन डीलर उपलब्ध नहीं है, जिससे उन्हें हर बार राशन लेने के लिए लगभग 5 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। इससे स्थानीय नागरिकों को कठिनाई होती है।

महिला मंडल की ओर से गांव में ही एक राशन डीलर की नियुक्ति की मांग की गई। उपायुक्त ने मामले की गंभीरता को समझते हुए इस पर उचित कारवाई किए जाने के सम्बन्ध में आश्वासन दिया गया।

बारिश में ढहा मकान, पीड़ित परिवार ने मांगी आपदा राहत

बसिया प्रखंड के टेंगरा जामटोली गांव निवासी बालगोविंद लोहरा ने बताया कि 23 जुलाई की संध्या को अत्यधिक वर्षा के कारण उनका कच्चा मकान ढह गया, जिसमें उनके परिवार के 10 सदस्य रहते हैं। अब वे अस्थायी जगहों पर शरण लेकर कठिन परिस्थिति में जीवन यापन कर रहे हैं।

उन्होंने आवास योजना के तहत लाभ अथवा आपदा राहत राशि देने की मांग की। उपायुक्त ने मामले को अपर समाहर्ता एवं जिला आपदा प्रबंधन शाखा को भेजते हुए कहा कि योग्यता अनुसार योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाए, ताकि परिवार को राहत मिल सके।

नशा छोड़ कर सुधार का संकल्प लेकर पहुंचा छात्र, मांगी पढ़ाई में मदद

मसरिया स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय का कक्षा 10वीं का छात्र उपायुक्त के पास पहुंचा और आत्मस्वीकृति के साथ बताया कि वह पूर्व में नशीले पदार्थों (गांजा व चोरी) के संपर्क में था और स्कूल से उसे चेतावनी भी दी गई थी। परंतु अब उसने अपनी गलती को स्वीकार करते हुए जीवन में सुधार लाने का निश्चय किया है।

उसने उपायुक्त से निवेदन किया कि वह फिर से पढ़ाई कर खुद को बदलना चाहता है, और यदि पुराने विद्यालय में नहीं, तो किसी अन्य विद्यालय में भी दाखिला लेकर परीक्षा देना चाहता है।

उपायुक्त ने इस पर संवेदनशील रुख अपनाते हुए विद्यालय प्राचार्य से छात्र को मार्गदर्शन देने एवं आगे की पढ़ाई के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्राचार्य को अपने स्तर से सही निर्णय लेने की बात कही।

अधूरी नाली निर्माण से जलजमाव व आपसी तनाव, कार्रवाई के निर्देश

जिलीगा टागर टोली निवासी रमेश कुमार ने शिकायत की कि उनके क्षेत्र में पलमा-गुमला रोड निर्माण के दौरान फङ कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा जो नाली बनाई जा रही थी, वह अधूरी छोड़ दी गई है। इससे अब बारिश में खेतों और घरों में पानी भर जा रहा है और नागरिकों के बीच आपसी विवाद की स्थिति बन रही है।

उन्होंने अधूरे निर्माण को पूरा कराने या वैकल्पिक कच्ची नाली निर्माण कराने की मांग की। उपायुक्त ने जिला भू अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि स्थलीय जांच कर जल्द से जल्द कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

अन्य विषयों पर भी आए आवेदन, त्वरित कार्रवाई के निर्देश

आज के जन शिकायत निवारण दिवस में राशन कार्ड की त्रुटि सुधार, आवास योजना, सामाजिक पेंशन, स्वास्थ्य सुविधाएं, सड़क निर्माण, रोजगार सहायता, घरेलू विवाद समाधान आदि विषयों से जुड़े कई आवेदन प्राप्त हुए।

उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरता से पढ़ा और संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि समयबद्ध, पारदर्शी एवं मानवीय दृष्टिकोण से सभी समस्याओं का समाधान करें।

इस मौके पर जिला स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने कई मामलों में मौके पर ही समाधान किया।

डुमरी में सौ शैय्या छात्रावास भवन का ऑनलाइन शिलान्यास संपन्न

संवाददाता

गुमला: नई शिक्षा नीति (ठएढ-2020) की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ३पीएम जन मन३ कार्यक्रम के अंतर्गत आज डुमरी प्रखंड अंतर्गत उच्च विद्यालय डुमरी टांगरडीह परिसर में आदिम जनजाति के बच्चों के लिए प्रस्तावित 100 शैय्या छात्रावास भवन का ऑनलाइन शिलान्यास समारोह संपन्न हुआ।

यह शिलान्यास भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, झारखंड राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन सहित देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की गरिमामयी ऑनलाइन उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

यह छात्रावास आदिम जनजातीय समुदाय के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सशक्तिकरण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य दूर-दराज के बच्चों को सुरक्षित, अनुकूल एवं सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर स्थानीय सांसद के प्रतिनिधि राजनील तिग्गा, डुमरी प्रखंड प्रमुख, स्थानीय मुखिया, विभिन्न जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी गुमला, जिला शिक्षा अधीक्षक गुमला, प्रखंड विकास पदाधिकारी डुमरी, सहायक अभियंता शिक्षा विभाग, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सहित जिला व प्रखंड स्तरीय पदाधिकारीगण एवं विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं भी सम्मिलित हुए।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान स्थानीय स्तर पर छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी और उपस्थित अतिथियों ने छात्रावास निर्माण को आदिवासी बच्चों की शिक्षा में एक मील का पत्थर बताया।

इंटरनेट और आधार सुविधा सुदृढ़ करने के उपायुक्त ने दिए निर्देश

संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में गुमला समाहरणालय सभागार कक्ष में वक्ऊ एवं मोबाइल टावर नेटवर्क को लेकर एक विशेष समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने सभी पंचायत भवनों में इंटरनेट सुविधा सुचारू रूप से उपलब्ध कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बताया गया कि गुमला जिले में कुल 486 मोबाइल टावर स्थापित हैं, जिनमें इरठछ के 85, एयरटेल के 186 तथा खक्ड के 215 टावर हैं। 12 नए शैडो एरिया में मोबाइल टावर के अधिष्ठापन हेतु क्षेत्र चयनित किए गए हैं तथा 11 अन्य क्षेत्रों में नए टावर स्थापित करने की प्रक्रिया प्रगति पर है। वर्तमान में 7 स्थानों पर मोबाइल टावर स्थापित करने का कार्य चल रहा है। उपायुक्त ने इन कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त, जिन 17 पंचायत भवनों में नेटवर्क अथवा ब्रॉडबैंड कनेक्शन नहीं है, वहां एक सप्ताह के भीतर कनेक्शन प्रक्रिया पूर्ण कर रिपोर्ट समर्पित करने के निर्देश दिए गए। जिन आठ पंचायतों में कार्य पूर्ण हो चुका है, उन्हें फंक्शनल करने,सभी पंचायतों में लगे ब्रॉडबैंड कनेक्शन का एक वर्ष का रिचार्ज कराने हेतु डीपीआरओ को निर्देशित किया गया। भारत नेट को 15 अगस्त 2025 तक पूर्णतः सक्रिय करते हुए सभी पंचायतों में सेवा उपलब्ध कराने के लिये कोऑर्डिनेशन पर विशेष बल दिया गया। इरठछ के सभी स्थापित टावर को सक्रिय एवं फुल-प्रूफ संचालन के लिए विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिन क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या है, वहां 10 दिनों के अंदर इऊ्ड से रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

आधार कार्ड संबंधी समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने 17 इफ्ठ के फंक्शनल नहीं होने की स्थिति में 1 सप्ताह के भीतर इन्हें सक्रिय करने, पोस्ट ऑफिस में 0 से 5 वर्ष के बच्चों को आधार बनाने की सुविधा सुनिश्चित करने, तथा जिन व्यक्तियों का आधार 10 वर्ष से अद्यतन नहीं हुआ है, उनका आधार डेटा अपडेट कराने के निर्देश दिए। आम नागरिकों को आधार जन जागरूकता अभियान से जोड़ने व विद्यालयों में 100% बच्चों के आधार निर्माण हेतु शिक्षा विभाग से समन्वय कर कार्य करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया।

बैठक में मुख्य रूप से कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग; एलडीएम गुमला, डीपीएम (आधार), तथा विभिन्न मोबाइल नेटवर्क के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बालूमाथ को जाम मुक्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जिला प्रशासन : अनीता देवी

संवाददाता

बालूमाथ : बालूमाथ बाजार में नई सड़क बनने के बाद नालियां सड़क के बीचो-बीच बना दी गई है ' इससे सड़क संकरा हो गया है ' सड़क पर हमेशा ही जाम की स्थिति बनी रहती है और ऊपर से यात्री बसें जिनका पड़ाव नए बस स्टैंड में निर्धारित किया हुआ है, उनके द्वारा भी यात्री बसों को बीच रास्ते में खड़ा कर दिया जाता है, जिससे कभी-कभी भीषण जाम की स्थिति बन जाती है।

जिप उपाध्यक्ष ने उप विकास आयुक्त को पूरी वस्तुस्थिति से अवगत कराया ' उन्होंने आश्वासन दिया है कि अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार एवं जिला परिवहन पदाधिकारी लातेहार के माध्यम से बालूमाथ को जाममुक्त करने एवं जो यात्री बसें सड़क पर खड़ी रहती हैं,उन्हें आर्थिक दंड लगाने हेतु जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि जिला परिषद उपाध्यक्ष के द्वारा पूर्व में भी बालूमाथ में जाम से संबंधित मुद्दे को कई बार जिला परिषद की बैठक में भी उठाया गया है जिसके माध्यम से जिला परिषद से पत्र भी जारी हुआ था जिसमें यात्री बसों के सड़क पर ठहराव की स्थिति में आर्थिक दंड का प्रावधान भी किया गया था ' अनीता देवी के पुनः प्रयास से बालूमाथवासियों में एक उम्मीद जगी है।

रेलवे ने आदित्यपुर में तोड़ा डीप बोरिंग का पानी टंकी

जमशेदपुर : आदित्यपुर रेलवे इंजीनियरिंग विभाग बुधवार को अंडरब्रिज के पास स्थित अतिक्रमण हटाओ अभियान चला कर डीप बोरिंग का एक पानी टंकी तोड़ दिया। रेलवे के अनुसार पानी टंकी के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहा था। इससे आदित्यपुर नगर निगम को कई बार पत्र दिया गया लेकिन निगम ने कार्रवाई नहीं की। इससे स्थानीय पुलिस और आरपीएफ की मदद से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया अभियान के दौरान सुरक्षा की दृष्टिकोण से सड़क के एक भाग से आवागमन बंद करने के साथ विद्युत सप्लाई भी कुछ देर बंद कराया गया था। बताया जाता है कि पानी टंकी को हटाने के बाद रेलवे अंडर ब्रिज की चौड़ाई बढ़ाएगा और एक नई लाइन बिछेगी।

आप लोगों के आवेदन पर निश्चित रूप से त्वरित कार्रवाई की जाएगी : विधायक

संवाददाता

कोलेबिरा : विधानसभा क्षेत्र के ठेठईटांगर प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय सभागार में कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया।जिसमें प्रखण्ड सह अंचल प्रशासन के सभी पदाधिकारी और कमीर्यों का सहयोग रहा।जनता दरबार में लोगों की उमड़ी भारी भीड़। जनता दरबार में प्रखण्ड के प्रमुख,मुखिया,पंचायत समिति सदस्य,वार्ड मेम्बर एवं आम जनता उपस्थित हुए।कार्यक्रम में जे एस एल पी एस के दीदीयों के द्वारा पारंपरिक आदिवासी नृत्य के द्वारा स्वागत करते हुए मंच तक लाया गया एवं फूल माला व बुके देकर स्वागत किया गया। जनता दरबार में आये लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं अपने क्षेत्र की सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन विधायक को दिया। विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने सभी आवेदनों को बारी बारी से पढ़ कर जिस समस्या का समाधान अपने स्तर से होने का था उसे अपने पास रख लिया वहीं जिस समस्या का समाधान अधिकारियों के स्तर से होने का था,उसे अनुशंसित कर संबंधित विभाग को भेज दिया। मौके पर मौजूद विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने अपने संबोधन में कहा कि आज आप सभी हमारे आह्वान पर यहां पर आए आपके द्वारा आवेदन दिया गया है उस पर निश्चित रूप से त्वरित कार्रवाई किया जाएगा।आप लोग जो भी आवेदन प्रशासनिक अधिकारी या किसी को देते हैं तो उसका रिसिविंग जरूर लीजिएगा क्यों कि वही आपका आधार है। विधायक ने झारखंड सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से मनरेगा जॉब कार्डवन बीज,अबुआ आवास की चाभी फूलों झानो डमी चेक एवं सर्वजन पेंशन योजना की सर्टिफिकेट अन्य सामग्री का भी वितरण किया।

मौके पर मौजूद प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन मिंज, प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, जिला विधायक प्रतिनिधि शमी आलम रावेल लकड़ा, अंचल अधिकारी कमलेश उरांव, प्रखंड अध्यक्ष अशफाक आलम, संसद प्रतिनिधि फ्रांसिस बिलुंग,प्रखंड विधायक प्रतिनिधि जॉनसन डांग, मोहम्मद कारू, मुखिया सुषमा बिलुंग, नईमी समद, बसंत समद, मंडल अध्यक्ष जॉन लकड़ा,पंचायत अध्यक्ष सुकवान जोजो, सीपरियान कुंडलना, अनिल सुरीन, पतरस डुंगडुंग,मोहम्मद वाहिद, सफीक अंसारी, अनिल लकड़ा, इसहाक डुंगडुंग, मेरास डुंगडुंग, जेम्स कांडुलना, सुशील मिंज, आदि उपस्थित थे।